RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7
कॉकटेल-2 में हुई एंट्री ...

वर्ष : 27 अंक : 243 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

नसबंदी ही हल, सार्वजनिक स्थानों पर डॉग फीडिंग पर रोक

आवारा कुत्तों पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर अपने पूर्व का फैसला पलटते हुए बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में 11 अगस्त के उस निर्देश में संशोधन किया है, जिसमें आवारा कुत्तों को पकड़कर उन्हें शेल्टर होम में रखने की बात कही गई थी। कोर्ट ने आज अपने फैसले में कहा कि केवल बीमार और आक्रामक कुत्तों को ही शेल्टर होम में रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा है कि सार्वजनिक स्थान पर डॉग फीडिंग पर रोक लगाई गई है।

कोर्ट ने कहा है कि आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में नहीं रखा जाएगा। यहां तक कि जिन कुत्तों को शेल्टर होम में भेजा गया है, उन्हें तुरंत छोड़ा जाएगा। नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को छोड़ा जाएगा। शेल्टर होम भेजे गए कुत्ते छोड़े जाएंगे। सिर्फ बीमार और आक्रामक कुत्तों को ही शेल्टर होम में रखा जाएगा।

शेल्टर होम में बंद कुत्ते छोड़े जाएं, केवल आक्रामक व बीमार कुत्ते ही रखे जाएं : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट का अच्छा फैसला : ननिता शर्मा

दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की वकील और याचिकाकर्ता ननिता शर्मा ने कहा, 'यह एक अच्छा आदेश है जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कुत्तों की नसबंदी के बाद उन्हें वापस छोड़ दिया जाना चाहिए। अधिकारियों को कुत्तों की देखभाल करनी होगी। मैं अधिकारियों से अपील करती हूँ कि वे थोड़ा और मानवीय व्यवहार करें।'

जस्टिस विक्रम नाथ की अगुवाई में तीन जजों की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। इसके साथ ही कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नोटिस भी जारी किया है। कोर्ट ने हर कम्युनिसिपल ब्लॉक में आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए अलग से स्पेस खोले जाएंगे। सिर्फ निर्धारित जगह पर ही कुत्तों को खाना दिया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर आवारा कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जाएगा। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट ने कहा कि कुत्तों को जहां से उठाया गया है, उन्हें उसी जगह रिलोकेट किया जाएगा। हर वॉर्ड में कुत्तों को खाना खिलाने के लिए फीडिंग जोन बनाए जाएंगे। सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर मनाही है। अदालत ने कहा कि किसी भी जगह कुत्तों को खाना खिलाने से समस्या होती है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज (शेष पृष्ठ-3 पर)

ईस्टन पेरीफेरल हाईवे पर भीषण हादसा, ट्रक में घुसी कार, 3 की दर्दनाक मौत

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा से इस समय बड़ी खबर आ रही है। ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल

हाईवे पर देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल है बताया जा रहा है कि एक कार में सवार होकर छह लोग हरिद्वार से फरीदाबाद जा रहे थे इस दौरान यह दर्दनाक हादसा हुआ है ।

ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र के अकबरपुर टोल प्लाजा के पास ईस्टर्न पेरिफेरल पर देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ है । पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ईस्टर्न पेरिफेरल पर एक ट्रक में तेज गति से आ रही वेगनर कार घुस गई इस कार में 6 लोग सवार थे सड़क हादसे में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान गौरव पुत्र रूपचंद निवासी ग्राम सूरवारी थाना कोसीकला मथुरा,लोकेश पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी हनुमान नगर थाना खेड़ीपुर फरीदाबाद और गौतम पुत्र जगबीर निवासी ग्राम जवां थाना छायासा फरीदाबाद को मृत घोषित कर दिया। जबकि सड़क हादसे में ललित पुत्र महेंद्र निवासी ग्राम कोंडला थाना होडल पलवल की हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि हरविंदर पुत्र नरेंद्र निवासी ग्राम जवा थाना छायासा और कुलदीप पुत्र ईश्वर का उपचार चल रहा है।

बताया जा रहा है कि कार सवार हरिद्वार से फरीदाबाद जा रहे थे सड़क हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। दादरी पुलिस ने क्रेन व हाइड्रा की मदद से कार को काटकर फंसे लोगों को बाहर निकाला और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि उपचार के दौरान घायलों की जान बचाने के लिए अस्पताल में खून की आवश्यकता पड़ी थी। इस दौरान दादरी थाने से लेकर कई चौकी के पुलिसकर्मियों ने रात के समय घायलों को खून दिया लेकिन तीन लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी।

फॉर्च्यूनर व 10 लाख की डिमांड पूरी न होने पर बहू पर ढाया जुल्म

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर में एक नवविवाहिता ने दहेज में फॉर्च्यूनर व नगदी ना मिलने पर प्रताड़ित

किए जाने के आरोप में अपने पति व ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने अपने ससुर पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं।

थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाली संध्या (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी मकनपुर खादर गांव निवासी गौरव कौशिक के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति गौरव कौशिक, ससुर जितेंद्र कौशिक, सास अंजू ने उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। सभी लोग उस पर मायके से फॉर्च्यूनर गाड़ी व 10 लाख रुपए लाने का दबाव डालने लगे। उसने जब ससुराल वालों की मांग पूरी करने से इनकार कर दिया तो उसके साथ आए दिन मारपीट में गाली गलौज की जाने लगी। नव विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद पहली बार वह अपने मायके गई तो उसने अपने (शेष पृष्ठ-3 पर)

फ्लैट और एक करोड़ रूपये नहीं मिलने पर बहू को निकाला

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 में एक महिला ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज के लिए उत्पीड़न करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि पति व ससुराल वाले उस पर मायके से एक करोड रुपए तथा फ्लैट खरीदने का दवाब बना रहे हैं।

सेक्टर-49 की एक सोसायटी में रहने वाली माधुरी (काल्पनिक नाम) ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका विवाह 7 फरवरी 2025 को सेक्टर-62 के वसंत अपार्टमेंट में रहने वाले नीरव कुमार तोमर के साथ हुआ था। इस विवाह में उसके परिजनों ने करीब 75 लाख रुपए खर्च किए थे। इसके बावजूद भी उसका पति नीरव तोमर वह ससुराल वाले संतुष्ट नहीं हुए। शादी के दूसरे दिन ही उसके पति नीरव तोमर, ससुर पवन कुमार तोमर, सास सुनीता, ननद प्रथा, अशोक वर्मा व शीला वर्मा ने उसके सामने मायके से एक करोड रुपए लाने व एक फ्लैट खरीदवाने की डिमांड रख दी। उसके द्वारा इनकार किए जाने पर उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाने लगा।

शादी के बाद उसका पति नीरव तोमर उसका कोई भी खर्चा नहीं उठाता था। इस दौरान वह बीमार हो गई उसने जब इलाज करने के लिए कहा तो उसके पति व ससुरालवालों ने उसे मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। उसने फोन कर अपने परिजनों को जानकारी दी जिसके बाद वह उसे अपने साथ ले गए। परिजनों ने जब सुलहकर आने का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मेट्रो स्टेशन से मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के सेक्टर-62 मेट्रो स्टेशन पर चोरों ने एक व्यक्ति की जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निराला स्टेट सोसाइटी में रहने वाले शिखर तुर्की ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 6 अगस्त की शाम को सेक्टर 62 मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो में चढ़ रहा था। इस दौरान किसी चोर ने उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। उसने अपने मोबाइल फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर (शेष पृष्ठ-3 पर)

कार की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के सेक्टर 133 में तेज गति में आ रही वेगनर कार के चालक ने स्कूटी चालक को टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी चालक की मौत हो गई जबकि उसका साथी घायल हो गया।

जनपद अलीगढ़ का रहने वाला मलखान अपने भाई के साथ सेक्टर 135 स्थित ग्राम वाजितपुर में रह रहा था। बीती शाम मलखान अपनी स्कूटी से अपने दोस्त पम्मी उर्फ विशाल के साथ ड्यूटी खत्म कर घर आ रहा था। जैसे ही वह सेक्टर-133 चौराहे के पास पहुंचा तो सामने से आ रही वैगनआर कार के चालक ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मलखान व उसका साथी पम्मी उर्फ विशाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया उपचार के दौरान मलखान की मौत हो गई जबकि पम्मी का इलाज चल रहा है। इस संबंध में मलखान के भाई अंकित ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी की एक बाइक बरामद हुई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-36/37 के गोल चक्कर के पास सर्विस रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को देखकर बाइक पर आ रहे एक व्यक्ति ने मुड़कर भागने का प्रयास किया। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा कर बाइक सवार को दबोच लिया। बाइक सवार से जब भागने का कारण व बाइक के संबंध में पूछताछ की गई तो उसने स्वीकार किया (पृष्ठ-3 पर)

होटल के बाहर फायरिंग जान से मारने की दी धमकी

नोएडा (चेतना मंच)। होटल में वाई-फाई का कनेक्शन लगवाने से इनकार करने पर दो युवकों ने मैनेजर के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने होटल के बाहर फायरिंग भी की होटल मालिक की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वसुंधरा गाजियाबाद के रहने वाले अनुराग गौर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर-44 में कल्चर होटल चलाते हैं। इस होटल की देखरेख उनके मैनेजर अमित करता है। 20 अगस्त की रात्रि को मैनेजर अमित होटल के रिसेप्शन पर बैठा हुआ था। इस दौरान शिव चौधरी व एक अन्य युवक होटल में आए और रिसेप्शन पर बैठे अमित से अपनी कंपनी का वाई-फाई लगवाने को कहा। अमित ने कहा कि उसके होटल में पहले से वाईफाई लगा हुआ है इसलिए उन्हें नए वाईफाई कनेक्शन की जरूरत नहीं है। इस पर शिवा व उसका साथी बिगड़ गए और गाली-गलौज करने लगे। अमित ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर बाहर निकल आए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मुठभेड़ में घायल हुआ चेन स्नेचर

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने बीती रात्रि मुठभेड़ के बाद

शातिर स्नैचर को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में गोली लगने से स्नैचर घायल हो गया जबकि इसका साथी मौके से फरार हो गया। पकड़े गए बदमाश पर नोएडा के विभिन्न थाना क्षेत्र में 15 मुकदमे पंजीकृत हैं।

नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि बीती रात्रि सेक्टर 58 प्रभारी पुलिस टीम के साथ सेक्टर-62 पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान बाइक पर आ रहे दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने बाइक सवारों का पीछा किया। हड़बड़ी में बाइक सवारों की बाइक डिवाइडर से टकराकर गिर गई। खुद को घिरा देखकर युवकों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी (शेष पृष्ठ-3 पर)

दोस्त की हत्या में शामिल बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो

हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी जबकि दूसरे को कांबिंग के दौरान दबोचा गया। मुठभेड़ में पकड़े गए दोनों बदमाशों ने अपने एक साथी के साथ मिलकर एक युवक को मारपीट के दौरान चाकू घोंप दिया था जिसकी मौत हो गई थी।

सेंट्रल जोन के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना प्रभारी मनोज सिंह पुलिस टीम के साथ सेक्टर 3 स्थित रिशाल प्लाजा के पास वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। पुलिस को देखकर बाइक पर आ रहे दो युवक मुड़कर भागने लगे। पुलिस ने बाइक सवारों का पीछा शुरू किया। तेज गति की वजह से युवकों की बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। पुलिस से घिरा देखकर एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दुष्कर्म के आरोपियों को लगी गोली तो निकली चीख

लूट और स्नैचिंग में वांछित बदमाश मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद पुलिस ने ऑपरेशन लंगड़ा के दौरान मुठभेड़ में चेन स्नैचिंग और दुष्कर्म के आरोपियों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। दुष्कर्म में आरोपी दो बदमाशों ने थाना लोनी क्षेत्र में पिछले दिनों घटना को अंजाम दिया था।

सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि थाना लोनी पुलिस टीम द्वारा निठौरा अन्डरपास के पास संदिग्ध व्यक्ति वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। चैकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा निठौरा की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर सवार आ रहे 02 संदिग्ध व्यक्तियों को रूकने का इशारा किया गया परंतु पुलिस टीम के इशारे पर न रूकते हुए भागने लगे। पुलिस ने दोनों का पीछा किया तो संदिग्धों ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्यवाही में दोनों व्यक्तियों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए बदमाशों की पहचान रोहित पुत्र धर्मवीर उम्र 31 वर्ष एवं वीर सिंह उर्फ भोला उम्र करीब 53 वर्ष पुत्र ज्ञान चन्द्र नि0गण ग्राम निठौरा थाना लोनी गाजियाबाद के रूप में हुई। इनके कब्जे से 1-1 अवैध तमंचा, 1-1 खोखा कारतूस, 01-01 जिन्दा कारतूस, चोरी की 01 मोटरसाइकिल बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए बदमाशों के खिलाफ थाना लोनी में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया था।

सहायक पुलिस आयुक्त इन्दिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि थाना इन्दिरापुरम क्षेत्रान्तर्गत हुई स्नैचिंग व लूट की घटनाओं को रोकने के लिए थाना इन्दिरापुरम पुलिस टीम द्वारा हिन्डन नहर 5/6 की पुलिया पर चेकिंग के दौरान कनावनी पुलिया की ओर से एक मोटर साइकिल सवार व्यक्ति को आता देख रोकने का प्रयास किया गया खुद को पुलिस से घिरता देख बचने की नियत से मोटर साइकिल सवार व्यक्ति ने पुलिस टीम पर फायर किया। जवाबी कार्यवाही में बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचाना मौहम्मद आमिर कुरैशी पुत्र आस मौहम्मद निवासी ईस्लामिया मदरसे के पीछे थाना लोनी गाजियाबाद हाल पता मौहल्ला चैनापुरी थाना हापुड देहात जनपद हापुड उम्र करीब 27 वर्ष बताया। जिसके कब्जे से 01 अवैध तमंचा, 01 खोखा कारतूस, 01 जिन्दा कारतूस (शेष पृष्ठ-3 पर)

चेकिंग कर रहे सब इंस्पेक्टर को कार ने मारी टक्कर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के निराला स्टेट के पास चेकिंग कर रहे सब इंस्पेक्टर को स्विफ्ट डिजायर कार के चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद भाग रहे कार चालक का पीछा कर पुलिस ने उसे दबोच लिया। घटना के समय चालक शराब के नशे में था। चौकी प्रभारी डी पार्क देशपाल सिंह, सब इंस्पेक्टर निशांत सारस्वत और सुनील कुमार बीती शाम एटीएस गोल चक्कर से निराला स्टेट की तरफ जाने वाली सर्विस रोड के टी पॉइंट पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान सब इंस्पेक्टर निशांत ने एक स्विफ्ट डिजायर कार के चालक को रुकने का इशारा किया। चालक ने रुकने के बजाय कार की स्पीड बढ़ाकर भागने का प्रयास किया। कार को रुकवाने के लिए आगे आए सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार को चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सब इंस्पेक्टर घायल हो गए। चेकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों ने पीसीआर की मदद से कार का पीछा कर चालक को पकड़ लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से देसी शराब का खाली पव्वा बरामद हुआ। पकड़े गए कार चालक ने अपना नाम असित कुमार पुत्र रघुराज सिंह निवासी ग्राम नंगला जमुना जनपद औरैया बताया। पुलिस के मुताबिक घटना के समय कार चालक शराब के नशे में था। आरोपी को हिरासत में लेकर उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। आरोपी के खिलाफ डी पार्क चौकी प्रभारी देशपाल सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया है।

स्कूल गई किशोरी लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव से एक 12 वर्षीय किशोरी लापता हो गई। किशोरी घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी।

बरौला गांव में रहने वाली संजना (काल्पनिक नाम) ने बताया कि 19 अगस्त की सुबह उसकी बेटी घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। स्कूल की छुट्टी होने के बाद जब देर तक वापस घर नहीं लौटी तो उसकी तलाश की गई लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और छात्रा की तलाश की जा रही है।

पर्व मनाने गया परिवार चोरों ने लगाई सेंध

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सलारपुर की गजराज कॉलोनी में चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर सोने के जेवरात व 30 हजार रुपए चोरी कर लिए। घटना के समय गृह स्वामी अपने परिवार के साथ जन्माष्टमी के पर्व पर अपने पैतृक गांव गया हुआ था। गजराज कॉलोनी में रहने वाले रोहित यादव ने बताया कि वह मूल रूप से ग्राम नगला झाल शिकोहाबाद जनपद फिरोजाबाद का रहने वाला है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पहाड़ पर आफत

मानसून सत्र की आवाज में भले ही सियासत की ऊर्जा रहे, लेकिन इस बार प्राकृतिक आपदा की आंखें देख और कान भी सुन रहे हैं। चर्चा का एक बड़ा दौर बाहर निकल गया। सराज से ही यूं तो एक सत्र शुरू हुआ बरसात-मानसून के कहर का, लेकिन तब से सियासत भी घूम रही है। सैकड़ों सबक हमारे आसपास और हजारों जख्म हमारे भीतर और बाहर। टूटे रास्तों का जिक्र, गिरते पहाड़ों का फिक्र, ये कैसी प्राकृतिक दौलत हमने कमाई, जो जरूरत पर हमें ही गरीब कर गई। राहत के हर इंतजाम में अकेला हिमाचल और नसीहतें ईमानदार नहीं। अरे भाई! हमने यह नहीं किया, वो किया। इधर से नहीं चले, उधर से चले। क्या यह आपदा घड़े फोडऩे का प्रायश्चित है या आगे देखने की नई दृष्टि। जाहिर है मानसून सत्र में हमें आगे देखने के लिए एक बड़ी कसौटी बन सकता है। आपदा तक देखकर हम सिर्फ कोसने के बहाने और आगे बढऩे से रोकने का टका सा जवाब पा सकते हैं। हम यानी हिमाचली लोग आजादी से पहले थे कहां। पहाड़ की कंदराओं से संघर्ष करते हुए सिर्फ घास काट रहे थे। ऐसे में एक माहौल यह भी बनाया जा रहा है कि हमने तरक्की को घातक बना लिया या पहाड़ पर आती आपदा का सिर्फ पहाड़ ही दोषी है। यह दीगर है कि पहाड़ को अपनी प्रगति के दस्तूर को बदलते हुए विकास के मानदंड दुरुस्त करने होंगे। नीतियों के संदर्भ और कायदे-कानूनों के हाथ लंबे करने पड़ेंगे। इस बार विधानसभा अगर शहरी विकास पर चर्चा कर ले तो पता चल जाएगा कि हमने किस तरह टीसीपी कानून को कान से पकड़ कर बैठाए रखा। दोषी सडक ही नहीं, हमारे निर्माण ने मार्गों के औचित्य से छीनकर अपना वर्चस्व साबित किया। इससे सडकें संकरी और मानवीय दबाव से लावारिस हो गईं। पूरे हिमाचल का सर्वेक्षण करवा कर सिर्फ यह पता लगाइए कि सडक किनारे बने भवनों से निकलता पानी किस तरह पूरे परिदृश्य को बर्बाद करता है। यह मसला गांवों और बाजारों में आकर और भी भयानक हो जाता है। इस बार बरसात ने हर घर, हर गांव तक का मुआयना किया है। पहाड़ पर चैन की नींद सोने के लिए कमरा नहीं, इसलिए जल निकास का यथोचित प्रबंध चाहिए। दरअसल सरकार को चूल्हा टैक्स कहने के बजाय 'हिमाचली जिंदगी कर' कहना चाहिए। कम से कम अब तक की बारिश हर किसी के भय से टकराई है। किसी को घर की चिंता, किसी प्रधान को गांव की चिंता, डरे नगर निकाय, प्रशासन और अनेक महकमे, लेकिन हर खौफ में पानी खड़ा है। प्रदेश को जल प्रबंधन के नए मुकाम तक पहुंचाने के लिए जिस शिद्दत से जलापूर्ति योजनाएं बनती रही हैं, उसी प्राथमिकता से अब जल निकास की योजनाएं बनानी होंगी। हर खड्ड और नाले की जल निकासी को बेहतर बनाने के लिए, इसके साथ जुड़ती तमाम बस्तियों को भी जुडऩा पड़ेगा। नदी-नाले और बांध परियोजनाएं बेशक गर्मियों की सूरत में देखी गईं, लेकिन बरसात में किसने देखा कि जल निकास भी पूरी क्षमता से हो। ऐसे में सभी बांध परियोजनाओं के सोच व प्लानिंग के मुहानों पर बदलाव लाना पड़ेगा। यह इसलिए कि भरते बांध अब कहर उगलने लगे। पौंग जलाशय को पूरी तरह भरने की परियोजना ने मैदानी इलाकों या राजस्थान के मरुस्थल को हरियाली से लबालब कर दिया, लेकिन बरसात में जैसे ही खतरे का निशान आता है, इत्मीनान से पानी को फालतू मानकर छोड़ दिया जाता है। विस्थापितों के शहर में इस बार उस पानी का कहर, जिसने उजाड़े थे कभी बांध की खातिर। आश्चर्य यह कि हिमाचल में बांध बनाने को जो इलाके बर्बाद हुए, उन्हीं पर पानी छोडऩे का कहर बरप रहा है। ऐसे में अब जरूरत यह है कि पूरे प्रदेश में जल निकास का एक नक्शा बने। विकास के हर पहलू, स्थानीय निकायों की हर योजना, पर्यावरण संरक्षण की हर तहरीर और हिमाचल के भविष्य की तस्वीर में अब मिट्टी और पानी के बीच के जोखिम रोकने के लिए पूरे प्रदेश की जल निकास योजना को हर परियोजना के चरित्र में दर्ज करना पड़ेगा। प्रदेश को जून से सितंबर तक के महीनों में अपने विकास की परख करते हुए प्राथमिकताएं बदलने की सूरत देख लेनी चाहिए।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि गाधि के पुत्र विश्वामित्रजी के मन में चिन्ता छा गई कि ये पापी राक्षस भगवान के (मारे) बिना न मरेंगे। तब श्रेष्ठ मुनि ने मन में विचार किया कि प्रभु ने पृथ्वी का भार हरने के लिए अवतार लिया है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहूँ मिस देखौं पद जाई। करि बिनती आनौं दोउ भाई॥
ग्यान बिराग सकल गुन अयना। सो प्रभु मैं देखब भरि नयना॥

इसी बहाने जाकर मैं उनके चरणों का दर्शन करूँ और विनती करके दोनों भाइयों को ले आऊँ। (अहा!) जो ज्ञान, वैराग्य और सब गुणों के धाम हैं, उन प्रभु को मैं नेत्र भरकर देखूँगा॥

दो0- बहुबिधि करत मनोरथ जात लागि नहिं बार।
करि मज्जन सरऊ जल गए भूप दरबार॥

बहुत प्रकार से मनोरथ करते हुए जाने में देर नहीं लगी। सरयूजी के जल में स्नान करके वे राजा के दरवाजे पर पहुँचे॥

मुनि आगमन सुना जब राजा। मिलन गयउ लै बिप्र समाजा॥
करि दंडवत मुनिहि सनमानी। निज आसन बैठारेन्हि आनी॥

राजा ने जब मुनि का आना सुना, तब वे ब्राह्मणों के समाज को साथ लेकर मिलने गए और दण्डवत करके मुनि का सम्मान करते हुए उन्हें लाकर अपने आसन पर बैठाया॥ (क्रमशः..)

उपराष्ट्रपति चुनाव की सियासी लड़ाई के रणनीतिक मायने

उपराष्ट्रपति पद के लिए अब एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों तरफ से उम्मीदवारों का ऐलान हो चुका है। एनडीए ने जहां महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है, वहीं उनसे मुकाबले के लिए इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारा है। इस प्रकार एक तरफ जहां मोदी ने एनडीए उम्मीदवार की तारीफ करते हुए कहा है कि राधाकृष्णन सियासी खेल नहीं करते हैं, बल्कि सुलझे हुए राजनेता हैं। वहीं, दूसरी तरफ विपक्ष ने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार रेड्डी को गैरराजनीतिक चेहरा बताते हुए कहा है कि मौजूदा चुनाव विचारधारा (संघ बनाम प्रगतिशील) की लड़ाई है। साधारण भाषा में कहें तो उपराष्ट्रपति चुनाव को भी राष्ट्रवाद बनाम धर्मनिरपेक्षता की सियासी लड़ाई का नया अखाड़ा बना दिया गया है, जिसके रणनीतिक मायने भी दिलचस्प हैं।

यूँ तो संख्या बल में एनडीए यानी सत्ता पक्ष का पलड़ा भारी है, लेकिन यह लड़ाई आंकड़ों से ज्यादा प्रतीकात्मक प्रतीत होता है। देखा जाए तो अपने-अपने सियासी अहम के सवाल पर विभाजित विपक्ष ने भी पुन: एकजुटता प्रदर्शित करते हुए एक मजबूत प्रत्याशी उतारकर सत्तापक्ष को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री हैंड नहीं देने जा रहा है। उसके इस कदम से विपक्ष को फायदा हो या न हो, लेकिन एनडीए में शामिल दलों की पूछ परख बढ़ जाएगी। वहीं, किसी भी सहयोगी ने यदि थो?ा सा घात कर दिया तो फिर सत्ता पक्ष की किरकिरी भी हो सकती है।

यही वजह है कि मौजूदा उपराष्ट्रपति चुनाव के दृष्टिगत कतिपय सवाल खड़े हो रहे हैं- खासकर उम्मीदवार चयन को लेकर। सर्वप्रथम तो यह कि जिस तरह से दोनों केंद्रीय सियासी गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार के नाम दक्षिण भारत से दिए हैं, उससे भी उत्तर भारत के राजनेता ठगे रह गए हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वसम्मति से एनडीए कैंडिडेट बने राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना (पुराने आंध्रप्रदेश) से। लिहाजा, दोनों चेहरों का दक्षिण भारत से होना महज सियासी संयोग नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे दोनों प्रतिस्पर्धी राजनीतिक गठबंधनों की कोई सुनियोजित राजनीतिक योजना है और इसी वजह से यह चुनाव और भी अधिक दिलचस्प हो जाता है।

दूसरा, विपक्षी दल एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार रेड्डी की लड़ाई को विचारधारा यानी धर्मनिरपेक्षता की लड़ाई बता रहे हैं। क्योंकि उनका कहना है कि जब एनडीए संघ के आदमी पर भरोसा कर रहा है तो वो एक प्रोग्रेसिव विचारधारा यानी धर्मनिरपेक्ष उम्मीदवार को सामने रख रहे हैं। जिस तरह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गठबंधन के सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ मंच से एक संक्षिप्त से नोट पढ़कर इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति

उम्मीदवार रेड्डी के नाम का ऐलान किया, वह खासा अहम है।

जैसा कि खरगे ने कहा है कि सभी दलों ने सर्वसम्मति से रेड्डी की उम्मीदवारी पर मुहर लगाई है। यह विपक्षी एकता के लिहाज से लोकतंत्र के लिए एक बड़ा क्षण है। लिहाजा, उन्होंने रेड्डी को राजनीतिक न्याय का चैंपियन करार दिया। जबकि मंच से ही टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि इस फैसले में आम आदमी पार्टी भी ब्लॉक के साथ है। बताया गया है कि इंडिया ब्लॉक के अंदर सभी दलों के साथ इस मसले पर गत सोमवार और मंगलवार सुबह अनौपचारिक बातचीत हुई थी।

दरअसल, इस पूरी प्रक्रिया में चार-पांच नामों को लेकर सोमवार को चर्चा भी हुई, पर वह किसी ना किसी वजह से पूरे मापदंड पर खरे नहीं उतर पा रहे थे। इसी दौरान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व निदेशक और तमिलनाडु से आने वाले माइलस्वामी अन्नादुरई और सामाजिक कार्यकर्ता तुषार गांधी के नामों पर चर्चा की। जब इन अहम नामों पर भी आम सहमति नहीं बन पाई, तब मंगलवार दोपहर को खरगे की ओर से सभी घटकों के नुमाइंदों के सामने रेड्डी का नाम सामने रखा गया, जिस पर किसी की ओर से आपत्ति नहीं जताई गई।

बताया जाता है कि रेड्डी का नाम कांग्रेस शासित तेलंगाना की सोशल इंजीनियरिंग से भी जुड़ा रहा है। वहां की सरकार ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण के डेटा के विश्लेषण के लिए जिस पैनल का गठन किया था, उसकी अगुआई रेड्डी ने ही की है। वहीं, टीएमसी जैसे दलों की ओर से यह साफ कर दिया गया था कि इंडिया ब्लॉक की ओर से उम्मीदवारी में जो भी व्यक्ति सामने आए, वह गैर राजनीतिक हो। इसलिए रेड्डी के नाम पर आम सहमति बन गई।

बताया जाता है कि टीएमसी नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमिलनाडु के नेता स्टालिन से कहा था कि चुनाव को तमिलनाडु बनाम तमिलनाडु बनाने का अच्छा संकेत नहीं जाएगा। फिर बात आई कि बिहार या उत्तर प्रदेश के किसी व्यक्ति को चुना जाए। इस पर कहा गया कि इसे बीजेपी दक्षिण में भुना लेगी। फिर छोटे राजनीतिक नाम से भी परहेज करने पर सहमति बनी। तब सबमें सहमति जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के नाम पर हुई। इससे कांग्रेस को लगता है कि वह इस नाम को पेश कर आंध प्रदेश में भी अपनी साख जमा सकती है।

चूंकि, विपक्ष गठबंधन की दक्षिणी राज्यों के दलों पर भी नजर है। विपक्ष के एक नेता ने कहा भी है कि उन्हें उम्मीद है कि वाईआरसीपी अब अपने रुख पर फिर से विचार करेगा। बता दें कि वाईआरएसीपी ने गत सोमवार को ही घोषणा की है कि वह उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन का समर्थन करेंगे। इसे विपक्ष राधाकृष्णन की उम्मीदवारी का काउंटर मान रही है, जिसके जरिए एनडीए, डीएमके जैसे दलों को सोच में डालना चाहता है।

तीसरा, बीजेपी नीत एनडीए के लिए दक्षिण भारत में अपनी जड़ें जमाना अब भी मुश्किल भरा कार्य है। चूंकि कर्नाटक में उसकी जमी-जमाई सियासी जड़ें भी सूखती चली गई, इसलिए उसकी राजनीतिक मुश्किलों को समझा जा सकता है। जबकि विपक्ष की सियासत के लिए दक्षिण भारत शुरू से ही एक ऐसा उर्वर राजनीतिक मैदान, रहा है, जहां से उसने भाजपा को सदैव मजबूत चुनौती पेश की है। इसलिए कहा जा सकता है कि जारी उपराष्ट्रपति चुनाव में इस पद के लिए घोषित उम्मीदवार रेड्डी पूर्व निर्धारित सियासी लड़ाई का विस्तारित रूप ही है।

खासकर जिस तरह से एनडीए सहयोगी टीडीपी ने इंडिया ब्लॉक प्रत्याशी राधाकृष्णन के समर्थन का ऐलान किया है, उसका प्रभावी असर भी अब सत्ता पक्ष की रणनीति पर साफ-साफ दिखने भी लगा है और प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों से भी उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी राधाकृष्णन के लिए सहयोग मांगा है। उनके लिए खुशी की बात यह है कि इंडिया ब्लॉक के डीएमके ने एनडीए प्रत्याशी राधाकृष्णन का समर्थन करने का फैसला किया है।

इसलिए कहा जा रहा है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए हो रहा चुनाव दोनों केंद्रीय सियासी गठबंधनों के लिए मौका और चुनौती दोनों लेकर आया है। अगर सौ फीसदी वोटिंग होती है, तो दोनों सदनों में मिलाकर चुनाव में जीत के लिए 394 वोट चाहिए होंगे। जबकि एनडीए के पास 422 का संख्या बल है। चूंकि उपराष्ट्रपति का चुनाव गुप्त मतदान द्वारा होता है और सदस्य पार्टी व्हिप से नहीं बंधे होते हैं। इसलिए सरकार और विपक्ष, दोनों के शक्ति प्रदर्शन के लिए यह मौके के साथ साथ चुनौती भी है।

यही वजह है कि दोनों राजनीतिक गुट की तरफ से अपने अपने समर्थन का दायरा बढ़ाने की कोशिश हो रही है। खासतौर पर दक्षिण से आने वाले क्षेत्रीय दलों पर एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों की नजरें होंगी। बताया जा रहा है कि मौजूदा उपराष्ट्रपति चुनाव में वैचारिक टकराव भी बढ़ेगा, क्योंकि उपराष्ट्रपति का पद किसी पार्टी का नहीं होता। इसलिए यदि इसकी गरिमा को देखते हुए अगर सर्वसम्मति से किसी को चुना जाता, तो ज्यादा अच्छा रहता।

हालांकि अभी की राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसी संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आती है। देश में पिछले कुछ बरसों से जिस तरह का तनातनी भरा राजनीतिक माहौल है, उसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष ज्यादातर मौकों पर दो विपरीत ध्रुवों पर नजर आते हैं। वहीं, जिन मामलों में सदन में सहमति की मांग थी, वहां भी सहमति नहीं बल्कि असहमति दिखी। जबकि यह तो चुनाव तय ही था, जहां वैचारिक लड़ाई व उससे निकलने वाला अंजाम दोनों ही महत्वपूर्ण है। चूंकि उपराष्ट्रपति का पद राज्यसभा के सभापति के दृष्टिगत एक अहम जिम्मेदारी भी समझी जाती है। इसलिए इस पद के इर्द-गिर्द हाल के महीनों में बहुत असाधारण हलचल देखने को मिली है। यही वजह है कि निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जिन हालात में और जैसे गए, उसे तो कदापि अच्छा नहीं कहा जा सकता है। इसलिए उम्मीद की जाती है कि यह चुनाव बेहतर माहौल में और इस पद के सम्मान को देखते हुए उसके हिसाब से लड़ा जाएगा। जीत जिसकी भी हो, उस पर लोकतात्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को आगे ले जाने की अहम जिम्मेदारी होगी। फिर भी यह सवाल मौजूं है कि एक देश, एक चुनाव का नारा देने वाली भाजपा व उसके सहयोगियों ने देश पर यह चुनाव असमय क्यों थोपा?

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

LAC पर मजबूत सैन्य ढाँचा बना चुका है चाईना

भारत और चीन के बीच हाल के दिनों में संवाद की प्रक्रिया तेज़ हुई है। डि-एस्केलेशन की बात हो रही है, सीमा विवाद को शांतिपूर्वक सुलझाने की कोशिशें चल रही हैं और उच्च-स्तरीय राजनीतिक व सैन्य संवाद भी सक्रिय हुए हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चीन यात्रा पर जाने वाले हैं। देखा जाये तो यह सब निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत हैं, लेकिन भारत के लिए यह अत्यंत सावधानी बरतने का भी समय है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चीन ने पिछले पाँच वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर व्यापक सैन्य बुनियादी ढाँचा तैयार कर लिया है। बताया जा रहा है कि एलएसी पर सड़कें, पुल, सुरंगें और सैनिकों के लिए आवासीय ढांचे बनाये गये हैं जिससे पीएलए (PLA) की टुकड़ियाँ आसानी से 100-150 किलोमीटर पीछे हटकर भी 2- 3 घंटे में अग्रिम चौकियों पर वापस लौट सकती हैं। दूसरी ओर भारतीय सेना के पास अभी वैसा त्वरित गतिशीलता का ढांचा नहीं है। यही असमानता किसी भी वार्ता और समझौते में भारत के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा जोखिम बनती है।

हालाँकि पिछले वर्ष देपसांग और डेपचोक जैसे विवादित क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी के बाद स्थिति कुछ स्थिर हुई है और दोनों सेनाओं की समन्वित गश्त जारी है, लेकिन आपसी विश्वास की कमी अभी भी गहरी है। अप्रैल-मई 2020 की घुसपैठ के बाद से भारत और चीन की सेनाएँ भारी हथियारों के साथ LAC पर तैनात हैं। इस बीच चीनी सेना की सैन्य तैयारियों और ढाँचागत विस्तार में कोई कमी नहीं आई है, जिससे भारत को लगातार चौकन्ना रहना पड़ रहा है।

हम आपको बता दें कि रिपोर्टों के अनुसार, चीनी सेना की संयुक्त हथियार ब्रिगेड, जिनमें प्रत्येक में 4,500-5,000 सैनिक टैंकों, आर्टिलरी,

आर्मर्ड वाहन और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों से लैस होते हैं, कई इलाकों में अब भी अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं। कुछ ब्रिगेड भले ही 100 किमी पीछे हट चुकी हों, लेकिन यह पीछे हटना स्थायी नहीं माना जा सकता। इसके विपरीत भारत के पास सीमित ढाँचागत सुविधाएँ होने से त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता अपेक्षाकृत धीमी है। यही वजह है कि किसी भी डि-एस्केलेशन वार्ता में इस असमानता को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता।

हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए मौजूदा कूटनीतिक और सैन्य वार्ता तंत्र को और मज़बूत करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब पूर्वी (सिक्किम, अरुणाचल) और मध्य (उत्तराखंड, हिमाचल) सेक्टरों में 'जनरल स्तर की बैठक प्रणाली' शुरू करने पर सहमति बनी है। पश्चिमी (लद्दाख) क्षेत्र में पहले से ही भारतीय 14 कोर कमांडर और दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिले के प्रमुख के बीच संवाद तंत्र मौजूद है। बताया जा रहा है कि भारतीय पक्ष से मध्य क्षेत्र में बरेली स्थित उत्तर भारत क्षेत्र (UB Area) के लेफ्टिनेंट जनरल और पूर्वी क्षेत्र में दीमापुर स्थित 3 कोर या तेजपुर स्थित 4 कोर के लेफ्टिनेंट जनरल वार्ता में शामिल हो सकते हैं।

हम आपको बता दें कि भारत के लिए फिलहाल सबसे अहम मुद्दा उन 'नो पेट्रोल बफर जोन' का समाधान है, जो 2020-2022 के बीच हुए समझौतों में बने थे। गलवान, पैंगोंग झील का उत्तरी किनारा, कैलाश रेंज और गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र में 3-10 किमी तक फैले ये बफर ज़ोन अस्थायी रूप से बनाए गए थे, परंतु अब तक इन्हें हटाने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। चूँकि ये क्षेत्र भारत की दावेदारी वाली ज़मीन पर आते हैं, इसलिए भारत का स्पष्ट लक्ष्य गश्त अधिकारों की बहाली होना चाहिए।

देखा जाये तो भारत को केवल सीमा सुरक्षा पर ही नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक मोर्चों पर भी रणनीतिक तैयारी रखनी होगी। चीन की व्यापक रणनीति को ध्यान में रखते हुए भारत को बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। साथ ही भारत को केवल चीन से रिश्तों पर निर्भर न रहते हुए अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों के साथ भी अपने रणनीतिक साझेदारी को संतुलित रखना होगा, ताकि किसी एक पक्ष पर अत्यधिक निर्भरता न हो। भारत-चीन संबंधों में संवाद और शांति का रास्ता स्वागतयोग्य है, लेकिन यह राह लंबी और पेचीदा है। भारत को 'विश्वास करो लेकिन परखो' की नीति अपनानी होगी— जहाँ संवाद जारी रहे, लेकिन सुरक्षा और रणनीतिक तैयारी में कोई ढील न दी जाए।

बहरहाल, डि-एस्केलेशन की प्रक्रिया कूटनीतिक स्तर पर शांति का संकेत ज़रूर देती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि LAC पर सैन्य संतुलन चीन के पक्ष में झुका हुआ है। भारत को न केवल सतर्क रहना होगा, बल्कि सीमा क्षेत्रों में सड़क, सुरंग और हवाई पट्टी जैसी आधारभूत सुविधाओं का त्वरित विस्तार करना होगा। क्योंकि भरोसा भले ही धीरे-धीरे बन सकता हो, लेकिन सुरक्षा की गारंटी केवल सामरिक क्षमता और तत्परता से ही मिल सकती है।

- नीरज कुमार दुबे

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष चतुर्दशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक दिन और परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। थोड़ा बच के पार रखिए और कोई भी महत्वपूर्ण कार्य अभी रोक के रखिए।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आनंददायक जीवन गुजारेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। जीवनसाथी का साथ रहेगा। प्रेम संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर नीचे रहेगा लेकिन बुजुर्गों का आशीर्वाद बना रहेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें। भावुक बने रहेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान मध्यम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृह कलह के संकेत हैं। थोड़ा सा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। भूमि भवन वाहन की खरीदारी की संभावना बन रही है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोई नई व्यापारिक शुरुआत करना चाहते हैं तो शुभ समय है, शुरू कर दें। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम संतान का साथ है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं और अगर निवेश किया तो नुकसान भी हो सकता है। प्रेम, व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
एक अलग तेज आप में रहेगा और जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में होंगी। सामाजिक कद बढ़ेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। सिर दर्द और नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य थोड़ा माध्यम है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा का योग बनेगा। बच्चे आगे बढ़ेंगे। प्रेम में नयापन रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ होगा। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा होगा।

विधायक ने किया करोड़ों के विकास कार्य का लोकार्पण

दादरी नोएडा (चेतना मंच)। दादरी विधानसभा क्षेत्र के विकास यात्रा में आज एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। प्रधान जन विकास कार्यक्रम, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत नगर पंचायत दादरी क्षेत्र में ?234 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक केन्द्र निर्माण कार्य एवं फेस-1 में 40 लाख एवं फेस-2 में 34 लाख (कुल लगभग लागत 74 लाख) की लागत से होने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एक भव्य समारोह में दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर ने किया।

विधायक तेजपाल सिंह नागर ने कहा कि दादरी विधानसभा के प्रत्येक गाँव, हर कस्बे और मोहल्ले तक विकास कार्य पहुँचाना ही उनका लक्ष्य है। प्रदेश सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और उनका सही लाभ दिलाने के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। सामुदायिक केन्द्र एवं अन्य निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों की जीवनशैली को सरल और सुविधाजनक बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए आगे भी और बड़े-बड़े प्रोजेक्ट लाए जाएंगे तथा दादरी विधानसभा को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

इस अवसर पर गीता पंडित नगर पालिका अध्यक्ष, राजीव सिंघल नगर अध्यक्ष भाजपा, h k शर्मा, सतीश भाटी, सुनील चावड़ा, अभिषेक कौशिक महामंत्री भाजपा, ईश्वर भाटी, नीरज राव, श्रीमती कविता, सिमा, आर.के. चौधरी, ज्ञान सिंह रावल, विधूड़ी (राम निवास विधूड़ी), हरीश, संचित नागर, अक्षय शर्मा, निकिता (विनीत), धर्मसिंह भाटी, जयराम भाटी, रामकरण भाटी, जयकरण, राजेंद्र कटारिया, प्रकाश कटारिया, राजेन्द्र कटारिया, जतनपाल भाटी, भागवत भाटी (प्रधान), प्रेम राम आदि लोग मौजूद रहे।

वायरल बुखार, खांसी, जुकाम मौसमी बीमारी के मरीज बढ़े

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा अस्पताल में प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में बच्चे बुखार, सिरदर्द, उल्टी और बदन दर्द की शिकायत के साथ इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें अधिकांश मामलों में वायरल संक्रमण मिल रहा है। इन दिनों बच्चों को वायरल बुखार, खांसी, जुकाम, पाव में दर्द, गले में खराश व दर्द बने रहना, तेज सिर दर्द बनना, चक्कर आना, उल्टी लगना, आंखें लाल रहना आदि कई तरह के लक्षण दिखाई दे रहें है। ओपीडी में मरीजों की संख्या दुगनी हो गई है।

अस्पताल के एमएस डॉ राममूर्ति शर्मा ने बताया ओपीडी में संख्या सामान्य से अधिक हो गई। उन्होंने कहा कि इस समय मौसम बदलने से वायरल बुखार, खांसी-जुकाम और मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वह बच्चों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, उन्हें बारिश के पानी से दूर रखें और किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें।

शारदा अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ भूमेश त्यागी ने बताया कि बारिश के मौसम में संक्रमण फैलने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि बारिश के इस मौसम में लोगों को भीगने से बचना चाहिए, इसके साथ-साथ खाने में तली-भुनी और बासी खाद्य पदार्थों से दूरी बनानी चाहिए। ताजा और गर्म आहार लेना फायदेमंद होगा. अगर इसलिए गर्म और ताजा चावल,दाल,सब्जी लीजिए इस मौसम डायरिया के केस भी आ रहे हैं। ऐसे में साफ-सफाई का ख्याल रखना बहुत जरूरी है. खुले और फुटपाथ में ठेला-खोमचा पर बिक रही खाद्य पदार्थों को न खाएं, लगातार और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। वर्तमान में अस्पताल में सबसे ज्यादा केस लूज मोशन और सर्दी-खांसी के हैं, जबकि हेपेटाइटिस और पीलिया के मामले भी धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। इस मौसम में सांस लेने में परेशानी, सर्दी, खांसी और बुखार की समस्या आम है। अगर आपको या आपके परिवार में किसी को भी यह हो जाए तो उसे नजरअंदाज न करें।

ऊर्जा राज्यमंत्री ने किया क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में 11 अगस्त से चल रहे स्वर्गीय चौधरी बाबूराम भाटी बिरौडा मेमोरियल ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश सरकार मै ऊर्जा मंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर जी सम्मिलित होकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और आयोजकों को इस भव्य आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

ऐसे खेल आयोजन ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं को अनुशासन, टीम भावना एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की ओर प्रेरित करने का कार्य करते हैं। यह टूर्नामेंट निश्चित ही खिलाड़ियों के उत्साह को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष विजय भाटी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील भाटी, कार्यक्रम आयोजक एड. आदित्य भाटी, प्रमोद नागर, संगीत भाटी, राकेश नागर, चैनपाल प्रधान, अजीत मुखिया, संजीव भाटी, राजे कसाना, सुखवीर सिंह आर्य, सोमेश गुप्ता, मुकेश नागर, राधा चरण मास्टर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

फेस-2 थाने पर पहुंचे सैकड़ों की संख्या में किसान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ताओ ने कल पुलिस की कार्य शैली से क्षुब्ध होकर फेस -2 थाने का घेराव करने के लिए हजारों की संख्या में पहुंचे।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव राष्ट्रीय संयोजक रेखा सिवाल ने बताया कि संगठन के कार्यकर्ता इमामुददीन ने रूट्स कुलिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड प्लाट न0 बी 53 होजरी काम्प्लेक्स नोएडा मै प्लान्ट को ठंडा करने के लिए कुलिंग मशीन बनाकर कम्पनी को देते रहे कम्पनी मालिक राजीव सक्सैना कुछ पेमेंट करता रहा कुछ पेमेंट रोकता रहा। उसके बाद कंपनी प्रबंधन ने भुगतान करने से मना दिया। पीड़ित ने न्यायालय से कंपनी प्रबंधन के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करवाया, परन्तु पुलिस ने कंपनी प्रबंधन की गिरफ्तारी नहीं की जिससे नाराज होकर यूनियन आज थाने पर घेराव करने के लिए पहुंच गई।

यूनियन पर अधिकारियों एवं डीसीपी शक्तिमोहन अवस्थी के बीच वार्ता हुई। कंपनी प्रबंधन पुलिस ने 15 दिन का समय मांगा है। यूनियन ने कहा कि यदि 15 दिन के भीतर मामले का निस्तारण नहीं हुआ तो हम सभी फिर एक बार आंदोलन करेंगे।

इस अवसर पर मुख्य राष्टीय उपाध्यक्ष ठाकुर एडवोकेट विजय प्रताप , राष्टीय

कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र कुमार, राष्टीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सचिन शर्मा ,प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटा, यूथ अध्यक्ष विपिन खारी, उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष नागर, उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र कुलेसरा, परदेस सचिव परवीन चौहान, उत्तर प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी, उत्तर प्रदेश सचिव यामीन अंसारी, उत्तर प्रदेश सचिन सोनू खारी ,पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष भोलू पंडित, पश्चिम उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष सोविनदर भाटी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश सचिव अभिषेक यादव, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा सकीना खान ,मेरठ मंडल अध्यक्ष जतन भाटी, मेरठ मंडल सचिव सिंह राज भाटी, मेरठ मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा इरशाद खान, जिला अध्यक्ष गौतम बुध नगर योगेश वैष्णव, जिला अध्यक्ष हापुड़ महेश सिसोदिया, जिला अध्यक्ष गाजियाबाद संदीप राणा, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा गाजियाबाद हरिश्चंद्र, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा प्रवीण कौशिक गौतम बुध नगर, जिला अध्यक्ष मेरठ मोहित प्रधान,बागपत जिला अध्यक्ष अकिब राजपूत, जिला अध्यक्ष हेमंत पंडित बुलंदशहर, जिला संगठन मंत्री राजू भाटी, जिला संगठन मंत्री इरशाद राणा, खुर्शीद प्रधान नूरपुर, जिला कोषाध्यक्ष दीपक वैष्ण, जिला उपाध्यक्ष कपिल शर्मा, जिला सचिव राजू बैरागी, जिला सचिव मनीष पीलवान, जिला संगठन मंत्री ब्रह्मचंद बैरागी, डॉक्टर खालिद जिला उपाध्यक्ष डसना,नोएडा महानगर अध्यक्ष कपिल नागर, तहसील अध्यक्ष दादरी रविंद्र नागर, तहसील उपाध्यक्ष दादरी नीतू नागर, ग्राम अध्यक्ष इलाहाबास जगदीश बैरागी, मेरठ तहसील अध्यक्ष शोभित गुर्जर, मुंनसफ अली धौलाना तहसील अध्यक्ष, नवल भाटी, रवि भाटी,अन्य हजारों सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

नसबंदी ही हल....

करने के लिए हेल्पलाइन शुरू की जाएगी।

अदालत ने कहा कि कुत्तों को निश्चित जगह पर खाना खिलाने के लिए फीडिंग जोन बनाए जाएंगे, जिसके लिए एनजीओ को 25000 रुपये की धनराशि दी जाएगी।

कोर्ट के इन निर्देशों के पालन में कोई भी शख्स या संगठन व्यवधान उत्पन्न नहीं करे। इसके साथ ही कोर्ट ने ये भी कहा कि पशु प्रेमी आवारा कुत्तों को अडॉप्ट करने के लिए एप्लिकेशन दायर कर सकते हैं। ये जिम्मेदारी उनकी होगी कि एक बार गोद लिए गए कुत्तों को दोबारा सड़कों पर नहीं छोड़ा जाए।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश पर वकील और याचिकाकर्ता ननिता शर्मा ने कहा कि यह बेहद संतुलित ऑर्डर है। कोर्ट ने सभी राज्यों को इस केस में शामिल कर लिया है। कुत्तों से संबंधित सभी राज्यों की अदालतों में लंबित सभी मामलों को एक ही केस में तब्दील किया जाएगा। कोर्ट ने कहा है कि कुत्तों की नसबंदी की जाएगी और आक्रामक कुत्तों को एनिमल शेल्टर में रखा जाएगा। इसके लिए कोर्ट ने एमसीडी को निर्धारित जगहों पर ही फीडिंग क्षेत्र बनाने को कहा है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

फॉर्च्यूनर व 10 लाख ....

ससुराल वालों की हरकतों की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजन उसके ससुराल पहुंचे। परिजनों के सामने ससुराल वालों ने भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति न होने की बात कह कर उसे वापस ससुराल बुला लिया।

संध्या के मुताबिक जून माह में वह घर में अकेली थी इस दौरान उसके ससुर ने उसके साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें की। उसने इसकी शिकायत अपनी सास की तो उसने उल्टा उस पर ही झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट की। संध्या के मुताबिक उसके ससुराल वालों ने उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया और उसे एक कमरे में बंद कर उसे गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। इस दौरान ससुराल वालों ने उसे धान में कीड़े मारने वाली कीटनाशक दवा जबरदस्ती पिला दी जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई उसे मृत समझकर ससुराल वाले दिखावे के लिए उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों के इलाज से उसकी जान बच पाई। इस मामले की जानकारी मिलने पर उसके पिता व भाई उसका हाल-चाल लेने ससुराल पहुंचे तो उसके पति ससुर ने उन्हें घर के अंदर बंद कर मारपीट की। किसी तरह आसपास के लोगों ने बीच बचाव कर उसके परिजनों को ससुराल वालों के चंगुल से बाहर निकाल। थाना दनकौर पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

चोरी की बाइक ...

कि उक्त बाइक चोरी की है। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सचिन पुत्र साहब सिंह निवासी ग्राम मसौता थाना सिकंदराबाद जनपद बुलंदशहर बताया। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने यह बाइक ग्रेटर नोएडा क्षेत्र से चोरी की थी। बाइक चोरी करने के बाद उसने चेसिस नंबर को खुरच कर मिटाने का प्रयास किया था। पकड़े गए आरोपों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने उच्च न्यायालय में पेश किया है।

फ्लैट और एक करोड़...

ससुराल वालों ने स्पष्ट कहा कि जब तक उन्हें दहेज में एक करोड रुपए फ्लैट नहीं मिल जाता वह उसे घर में नहीं रखेंगे। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मेट्रो स्टेशन से ....

मामला दर्ज कर लिया गया है।

बता दें कि मेट्रो स्टेशनों पर आए दिन मोबाइल व पर्स चोरी की घटनाएं हो रही है। मेट्रो स्टेशनों पर कड़ी सुरक्षा के बावजूद भी इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रही हैं।

होटल के बाहर....

आरोपियों ने होटल के बाहर आकर फायर किया और मौके से फरार हो गए। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दुष्कर्म के आरोपियों का....

व चोरी की 01 मोटर साइकिल बरामद हुई है। उक्त चोरी की मोटर साइकिल के सम्बंध में थाना इन्दिरापुरम पर चोरी का अभियोग पंजीकृत है। गिरफ्तार मौ0 आमिर कुरैशी उपरोक्त के विरुद्ध गाजियाबाद, दिल्ली व आसपास के विभिन्न जनपदों में लूट, स्नैचिंग, पुलिस मुठभेड़, आर्म्स एक्ट के करीब डेढ़ दर्जन से भी अधिक अभियोग पंजीकृत है।

पर्व मनाने गया....

वर्तमान में वह गजराज कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रह रहा है। जन्माष्टमी के पर्व पर वह अपने परिवार सहित अपने पैतृक गांव गया हुआ था। 17 अगस्त के दोपहर को उसके पड़ोसी अजय ने फोन कर घर में चोरी होने की सूचना दी। इसके बाद वह तुरंत वापस नोएडा लौट आया। वापस लौटने पर पता चला कि चोर घर से सोने की चेन, दो अंगूठी व 30 हजार रुपए चोरी कर ले गए हैं। थाना प्रभारी का कहना है कि पीडि़त की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

मुठभेड़ में घायल ....

और घायल होकर गिर गया। जबकि दूसरा बदमाश मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

भारतीय जनता पार्टी ग्रेटर नोएडा मंडल उपाध्यक्ष सुनील पंडित तुगलपुरिया ने टीम के साथ गौतमबुद्धनगर के एडिशनल कमिश्नर डॉ. राजीव नारायण मिश्रा से मिलकर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस मौके पर जयवीर भाटी मोहित पंडित भगवत शर्मा विनोद कसाना सोनू शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे ।

घायल बदमाश की पहचान धीरेंद्र उर्फ लंबू उर्फ धीरज परिहार पुत्र अंगद परिहार निवासी जनपद हमीरपुर के रूप में हुई। धीरेंद्र हाल में छिजारसी गांव में रह रहा था। इसके पास से तमंचा कारतूस व चोरी की एक पैशन प्रो बाइक बरामद हुई।

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ में धीरेंद्र ने अपने फरार साथी का नाम अमन बताया धीरेंद्र ने स्वीकार किया कि वह अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की बाइक पर सवार होकर राहगीरों से मारपीट कर मोबाइल फोन व पैसे छीनने की घटनाओं को अंजाम देता है। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति विरोध करता था तो वह तमंचा दिखाकर उसे डरा धमका देते थे। धीरेंद्र ने बताया कि उससे बरामद बाइक उन्होंने दिल्ली के तुगलकाबाद से अप्रैल 2023 में चोरी की थी। आरोपी ने थाना क्षेत्र के सेक्टर-62 सी ब्लॉक में एक माह पूर्व एक व्यक्ति से आई फोन मोबाइल छीनने की घटना को भी अंजाम देना स्वीकार किया है। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए धीरेंद्र पर नोएडा के विभिन्न थानों में 15 मुकदमे पंजीकृत हैं घायल को उपचार के अस्पताल भेज कर उसके साथ साथी की तलाश की जा रही है।

दोस्त की हत्या में ....

जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया घायल बदमाश का दूसरा साथी मौके से फरार हो गया।

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश की पहचान विकास उर्फ विक्की निवासी ग्राम बरखेड़ा जनपद बदायूं के रूप में हुई। उसके पास से तमंचा, कारतूस व चोरी की बाइक बरामद हुई। पुलिस ने घायल विकास को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया और कांबिंग के दौरान उसके फरार साथी अरविंद कुमार निवासी जनपद मैनपुरी को भी दबोच लिया। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने बताया कि उन्होंने 20 अगस्त को अपने साथी संजू के साथ मिलकर ब्लू वोम बैंक्विट हॉल के पास खुर्शीद के साथ मारपीट की थी मारपीट के बाद वह खुर्शीद को बेहोशी की हालत में छोड़कर संजू की मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गए थे उपचार के दौरान खुर्शीद की अस्पताल में मौत हो गई थी। डीसीपी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर ही संजू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

डिफेंस भर्ती विशेष रेलगाड़ियाँ

मुजफ्फरनगर में आयोजित होने वाली डिफेंस भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ी सेवाएं संचालित की जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

04401/04402 गाजियाबाद-सहारनपुर-गाजियाबाद अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं. 04401		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04402	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	09:40	गाजियाबाद	15:30	--
09:45	09:46	नया गाजियाबाद	14:50	14:51
09:56	09:57	मुरादनगर	14:33	14:34
10:03	10:04	मोदीनगर	14:24	14:25
10:21	10:23	मेरठ नगर	14:08	14:09
10:27	10:28	मेरठ छावनी	13:58	13:59
10:42	10:43	दौराला	13:49	13:50
10:50	10:51	खतौली	13:38	13:39
10:59	11:00	जड़ौदा नारा	13:27	13:28
11:06	11:08	मुजफ्फरनगर	13:18	13:20
11:13	11:14	बामनहेरी	13:11	13:12
11:27	11:28	देवबन्द	13:00	13:01
11:42	11:43	नागल	12:55	12:56
11:55	11:56	टपरी जं.	12:50	12:51
12:20	--	सहारनपुर	---	12:40

चलने के दिन: **04401 गाजियाबाद** से **और 04402 सहारनपुर से** दिनांक 22.08.2025 को। **स्थान:** सामान्य

04403/04404 गाजियाबाद-सहारनपुर-गाजियाबाद अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

रेलगाड़ी सं. 04403		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04404	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	21:45	गाजियाबाद	04:15	--
21:50	21:51	नया गाजियाबाद	04:00	04:01
22:01	22:02	मुरादनगर	03:37	03:38
22:10	22:11	मोदीनगर	03:28	03:29
22:28	22:30	मेरठ नगर	03:08	03:10
22:34	22:35	मेरठ छावनी	02:58	02:59
22:49	22:50	दौराला	02:52	02:53
23:02	23:03	खतौली	02:41	02:42
23:11	23:12	जड़ौदा नारा	02:32	02:33
23:18	23:21	मुजफ्फरनगर	02:23	02:25
23:26	23:27	बामनहेरी	02:17	02:18
23:40	23:41	देवबन्द	02:06	02:07
23:55	23:56	नागल	01:55	01:56
00:08	00:09	टपरी जं.	01:48	01:50
00:50	--	सहारनपुर	---	01:35

चलने के दिन: **04403 गाजियाबाद** से दिनांक 22.08.2025 को **और 04404 सहारनपुर से** दिनांक 22.08.2025 एवं 23.08.2025 को। **स्थान:** सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
2553/2025

जैन को एक्सटेंशन नहीं तो दो पीएस बनेंगे एसीएस

31 अगस्त को रिटायर होंगे अनुराग और कंसोटिया दीपाली के साथ शिवशेखर को मौका

भोपाल, 22 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के नए मुख्य सचिव को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। इसी वजह से प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव पद पर पदोन्नति पाने वाले आईएएस अफसरों का भविष्य भी अटका हुआ है। यदि वर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक्सटेंशन मिल जाता है तो अपर मुख्य सचिव कैडर का एक भी पद रिक्त नहीं होगा। वहीं, अगर उन्हें एक्सटेंशन नहीं मिलता तो दो पद खाली होंगे। ऐसी स्थिति में सीनियर आईएएस अधिकारी दीपाली रस्तोगी और शिवशेखर शुक्ला को अपर मुख्य सचिव पद पर प्रमोशन और वेतनमान मिलना तय माना जा रहा है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव गृह जे.एन. कंसोटिया का रिटायरमेंट 31 अगस्त को होना है। चूंकि उस दिन रविवार है, इसलिए दोनों अफसरों का रिटायरमेंट 29 अगस्त को ही माना जाएगा। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार, मुख्य सचिव का पद अपर मुख्य सचिव स्तर का ही होता है, बस भत्ते और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। यही वजह है कि जैसे ही अपर मुख्य सचिव कैडर के अधिकारी रिटायर होते हैं, उस रिक्ति की भरपाई के लिए प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी को प्रमोट कर दिया जाता है।

माना जा रहा है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन के एक्सटेंशन को लेकर जो असमंजस की स्थिति बनी है वह 25 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पीएम मित्रा पार्क' के उद्घाटन के बाद स्पष्ट हो सकती है। जैन की नई भूमिका तो रहेगी, यह भी साफ हो गया है लेकिन वह मुख्य सचिव के रूप में ही होगी या केंद्र और राज्य सरकार के किसी स्वायत्त संस्था के चेयरमैन के रूप में होगी, इसका फैसला भी इसके बाद ही होगा।

अगर सीएस जैन रिटायर होते हैं और केंद्र में पदस्थ एमपी कैडर के आईएएस अलका उपाध्याय या मनोज गोविल को सीएस बनाया जाता है तो उनकी केंद्र से वापसी होगी और ऐसे में मुख्य सचिव जैन के रिटायर होने से रिक्त होने वाले पद पर अलका उपाध्याय या मनोज गोविल (जिसका भी नाम तय हो) की पोस्टिंग हो जाएगी।

इसलिए पद रिक्त नहीं होगा। दूसरी ओर अगर अलका उपाध्याय, मनोज गोविल के अलावा एमपी में पदस्थ राजेश राजौरा, अशोक बर्णवाल या किसी और को मुख्य सचिव बनाया जाता है तो अपर मुख्य सचिव स्तर के संबंधित अधिकारी का पद रिक्त हो जाएगा।

इसके अलावा अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया के रिटायर होने से एक पद रिक्त होना तो तय ही है। इन स्थितियों में दो प्रमुख सचिवों को अपर मुख्य सचिव बनने का मौका मिल सकता हैं।

आईएएस अफसरों की सीनियरिटी लिस्ट के अनुसार, अपर मुख्य सचिव अजीत केसरी के रिटायरमेंट के बाद प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी को एसीएस बनाया गया था। अब इस माह होने वाले रिटायरमेंट में प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की दीपाली रस्तोगी का अपर मुख्य सचिव पद पर प्रमोशन लगभग तय माना जा रहा है।

वजह यह है कि उनके बाद सीनियर आईएएस पल्लवी जैन गोविल अप्रैल 2025 तक केंद्र में पदस्थ हैं और उनकी वापसी की संभावना फिलहाल नहीं है। ऐसे में 1994 बैच की सबसे सीनियर प्रमुख सचिव होने के नाते दीपाली रस्तोगी को एसीएस बनाया जाएगा।

इसके अलावा, यदि मुख्य सचिव अनुराग जैन रिटायर होते हैं तो उनके रिक्त पद पर दीपाली रस्तोगी को और गृह विभाग के एसीएस जे.एन. कंसोटिया के रिटायर होने से खाली हुए पद पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग शिवशेखर शुक्ला को एसीएस पदोन्नति मिलेगी। हालांकि, यदि जैन को एक्सटेंशन मिल जाता है तो शुक्ला को एसीएस बनने के लिए इंतजार करना होगा।

पुलिस गिरफ्त में हनीट्रैप गैंग के सदस्य

पानीपत, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले में एक डॉक्टर को हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीआईए टीम ने इस प्रकरण में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गांव नोल्था निवासी सोनू और आशीष के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मामले की शुरुआत तब हुई जब एक महिला ने बीमारी का बहाना बनाकर डॉक्टर को अपने फ्लैट पर बुलाया। फ्लैट पर पहुंचने के बाद महिला ने डॉक्टर को कोल्ड ड्रिंक पिलाई और फिर शारीरिक संबंध बनाने की मांग रखी। इसी दौरान मौके पर आरोपी सोनू और आशीष पहुंच गए। दोनों ने डॉक्टर को फंसा लिया और उस पर दबाव बनाकर 11 लाख रुपये की मांग की। गिरफ्तार आरोपी सोनू कोई नया अपराधी नहीं है। उसके खिलाफ पहले से ही हत्या, लूट, डकैती और अवैध हथियार रखने जैसे एक दर्जन से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। इस बार उसने अपने साथी आशीष और महिला के साथ मिलकर डॉक्टर को ब्लैकमेल करने की योजना बनाई थी। ब्लैकमेलिंग के इस खेल में महिला की मदद एक वकील ने भी की। वकील ने बीच में दखल देकर डॉक्टर से समझौता कराया और मामले को 4 लाख रुपये में निपटा दिया।

पीड़ित डॉक्टर ने जब इसकी शिकायत पुलिस को दी, तो मामला खुलकर सामने आया। सीआईए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा और रिमांड पर लिया जाएगा। रिमांड के दौरान पूछताछ में इस पूरे गिरोह के और राज खुलने की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पति या पत्नी का अलग रहना नामुमकिन

अलग रहना है तो शादी न करें, शादी का मतलब दो आत्माओं का साथ आना

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि एक शादीशुदा जोड़े में पति या पत्नी का अलग रहना नामुमकिन है। दोनों में से कोई भी यह नहीं कह सकता कि वे अपने पार्टनर से अलग रहना चाहते हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की बेंच ने कहा कि अगर कोई अलग रहना चाहता है तो उसे शादी नहीं करनी चाहिए।

बेंच ने कहा- 'शादी का क्या मतलब है, दो आत्माओं, दो लोगों का एक साथ आना। आप कैसे अलग रह सकते हैं?' सुप्रीम कोर्ट एक ऐसे जोड़े के मामले की सुनवाई कर रहा था जिनके दो छोटे बच्चे हैं और वे अलग रह रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट पति-पत्नी के विवाद से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रहा था। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुई महिला ने कहा कि ताली एक हाथ से ताली बजती। इस पर बेंच ने कहा कि हर पति-पत्नी के बीच कुछ न कुछ झगड़ा होता ही है। हम आप दोनों से कह रहे हैं।

महिला ने दावा किया कि उसका पति सिंगापुर में रहता है और फिलहाल भारत में हैं। वह मामला सुलझाने को तैयार नहीं है। सिर्फ बच्चों की कस्टडी लेना चाहता है। इस पर कोर्ट ने हैदराबाद में रह रही महिला से पूछा कि आप सिंगापुर वापस क्यों नहीं जा सकतीं? महिला ने पति के व्यवहार को वजह बताया। उसने कहा सिंगल मदर होने की वजह से उसे नौकरी की जरूरत है क्योंकि पति से कोई खर्चा नहीं मिलता है। इस पर बेंच ने पति को 5 लाख रुपए जमा करने का निर्देश दिया। हालांकि, पत्नी ने कहा कि वह किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहती।

इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'आप ऐसा नहीं कह सकतीं। एक बार जब आप शादी कर लेते हैं, तो आप भावनात्मक या किसी और तरह से पति पर निर्भर होते हैं। आर्थिक रूप से भले ही न हों। आप यह नहीं कह सकतीं कि मैं किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहती। तो फिर आपने शादी क्यों की? शायद मैं पुराने ख्यालों की हूं, लेकिन कोई भी पत्नी यह नहीं कह सकती कि मैं अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहती।' इस पर पत्नी ने सोचने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने दोनों से कहा, 'आप दोनों पढ़े-लिखे हैं। आपको इन चीजों को सुलझाना चाहिए।'

थप्पड़ मारने से नाराज 9वीं के स्टूडेंट ने टीचर को मारी गोली

देहरादून, 22 अगस्त (एजेंसियां)। उधमसिंह नगर के काशीपुर में निजी स्कूल में पढ़ने वाले 9वीं कक्षा के छात्र ने टीचर पर तमंचे से गोली लगा दी। गोली लगने से घायल शिक्षक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस सनसनीखेज घटना के बाद से पूरे जिले के शिक्षकों में रोष है।

बताया जा रहा है कि शिक्षक ने क्लास में छात्र को थप्पड़ मार दिया था। छात्र लंच बॉक्स में तमंचा छिपाकर लाया और कक्षा में ही शिक्षक को गोली मार दी। शिक्षक की हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया है। तमंचा बरामद कर उससे पूछताछ की जा रही है। इस घटना के विरोध में काशी सहित कई इलाकों के स्कूल बंद हैं। सीबीएसई बोर्ड से जुड़े अध्यापक इस घटना के विरोध में हड़ताल पर बैठ गए हैं।

शिक्षक गगन सिंह निजी स्कूल में 15 सालों से तैनात हैं। बुधवार दोपहर वह 9वीं कक्षा में पढ़ा रहे थे। उसी दौरान छात्र ने लंचबॉक्स से 315 बोर का तमंचा निकाल लिया और शिक्षक पर तान दिया। जब तक शिक्षक संभल पाते, छात्र ने उनके दाहिने कंधे पर गोली मार दी। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

छात्र का कहना है कि बीते सोमवार को पढ़ाई के दौरान शिक्षक गगन सिंह ने एक सवाल का जवाब देने के बावजूद उसको थप्पड़ मार दिया था। इससे आहत होकर उसने शिक्षक को सबक सिखाने की ठान ली। बुधवार सुबह वह घर की आलमारी से तमंचा उठाकर लाया और मौका पाते ही शिक्षक पर फायरिंग कर दी।

इंदौर में हर महीने डॉग बाइट के 10 हजार मामले

7 महीनों में 28 हजार 142 लोगों को बनाया शिकार, 9 साल में दोगुने हो गए केस

इंदौर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर डॉग बाइट के मामले में प्रदेश में तीसरे पायदान पर है। यहां हर रोज औसतन 134 लोगों को कुत्ते अपना निशाना बना रहे हैं। एक दिन पहले ही बीएसएफ के छह जवानों को एक पागल कुत्ते ने अपना शिकार बनाया। दो जवानों को तो कुत्तों ने बुरी तरह से घायल कर दिया।

शहर में हर महीने लगभग 10 हजार लोगों को स्ट्रीट डॉग शिकार बना रहे हैं। सिर्फ इंदौर के प्रमुख हुकुम चंद पॉलीक्लिनिक के आंकड़ों की बात करें तो औसतन 4 हजार 20 लोगों को आवारा कुत्तों ने शिकार बनाया है। यानी रोजाना 134 लोगों पर स्ट्रीट डॉग ने हमला किया है।

2 साल पहले 2023 में यह आंकड़ा कम था। 2023 तक हर महीने स्ट्रीट डॉग इंदौर में एवरेज 3 हजार 600 और रोजाना 120 लोगों को अपना शिकार बना रहे थे। अब यह आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। हुकुम चंद पॉलीक्लिनिक (लाल अस्पताल) से मिले आंकड़ों के अनुसार इंदौर में जनवरी से लेकर जुलाई 2025 तक 28 हजार 142 लोगों को स्ट्रीट डॉग अपना शिकार बना चुके है। इसमें 28 अन्य वेक्सिन सेंटर और 350 नर्सिंग व प्राइवेट हॉस्पिटल का डेटा शामिल नहीं है।

9 साल में स्ट्रीट डॉग की संख्या दोगुनी

इंदौर की अधिकांश कॉलोनियों और चौराहों पर देर रात निकलना अब और खतरनाक हो चुका है। पिछले 9 साल में स्ट्रीट डॉग के काटने की संख्या दोगुनी हो गई है। वहीं हर साल स्ट्रीट डॉग के शिकार लोगों की संख्या में 20% तक की बढ़ोतरी हो रही है। इनके काटने के बाद लोग एंटी रैबीज वैक्सीन लगाने के लिए एमटीएच स्थित हुकुम चंद पॉलीक्लिनिक पहुंचते हैं।

आंकड़ों के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जुलाई 2025 तक इंदौर में 28 हजार 142 लोग आवारा कुत्तों के हमले से घायल हुए हैं। जबकि 9 साल पहले 2016 में यह आंकड़ा 20 हजार 455 था।

यानी 2016 में सालभर में जितने स्ट्रीट डॉग ने लोगों को शिकार बनाया था उससे 8 हजार ज्यादा लोगों को 2025 में स्ट्रीट डॉग सिर्फ 7 महीने में ही अपना शिकार बना चुके हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो 9 साल में इंदौर में डॉग बाइट के केस डबल हो गए हैं।

बर्थ-डे सेलिब्रेशन-चाकू से काटा केक

फिर थाने में हाथ जोड़कर मांगी माफी,आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

इंदौर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर में चाकू से केक काटकर बर्थ-डे सेलिब्रेट करने वाले आरोपियों पर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों को थाने ले गई, जहां वे हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आए। आरोपियों का पहले से आपराधिक रिकार्ड है और वे क्षेत्र में दहशत फैलाने के लिए ऐसा कर रहे थे। बर्थ-डे सेलिब्रेशन का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड हुआ है।

आजाद नगर थाने के टीआई तिलक करोले ने बताया कि अभिषेक नगर मूसाखेड़ी निवासी धीरज पुत्र संतोष धनौरे का जन्मदिन था। ममता कॉलोनी निवासी अमन उर्फ आमीन पुत्र अजीज पटेल, अभिषेक नगर निवासी दीपक पुत्र राम अवतार धनौरे इसे सेलिब्रेट कर रहे थे। इस दौरान आरोपी ने चाकू से केक काटा। इस दौरान आरोपियों ने रास्ते से गुजरते कृष्णा नाम के व्यक्ति से मारपीट भी की।

वीडियो देखकर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और उन्हें पकड़कर थाने लाई। यहां आते ही आरोपी पुलिसकर्मियों के सामने हाथ जोड़कर खड़े हो गए। उन्होंने बताया कि लोगों में डर बैठाने के लिए इस तरह से बर्थ-डे बनाया था।

वहीं तेजाजी नगर पुलिस ने भी सोशल मीडिया पर चाकू दिखाकर रील डालने वाले बदमाश सनद उर्फ सन्नू पुत्र महेश मंडलोई निवासी असरावर्द खुर्द को पकड़ा है। आरोपी ने नाचने के दौरान अपने दोस्त के सामने चाकू निकाला और लहराते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। आरोपी का आपराधिक रिकार्ड भी है। उस पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

कैंसर की कई दवाएं मौजूदा मूल्य नियंत्रण दायरे से बाहर

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने इस बात पर चिंता जताई है कि कैंसर की कई दवाएं अब भी मौजूदा मूल्य नियंत्रण व्यवस्था के दायरे से बाहर हैं। समिति ने अपनी रिपोर्ट में, औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश के दायरे का विस्तार कर कैंसर की दवाओं की यथासंभव व्यापक श्रृंखला को इसमें शामिल करने के उपायों की सिफारिश की है। नारायण दास गुप्ता की अध्यक्षता वाली राज्य सभा की याचिका समिति ने बुधवार को संसद में पेश की गई अपनी 163वीं रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया कि दवाओं की मौजूदा कीमतों और उपलब्धता के रुझान पर नजर रखने के लिए नियमित एवं व्यापक बाजार आकलन किया जाना चाहिए।

दवाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए

समिति ने कहा कि हालांकि, हाल के वर्षों में कैंसर की दवाओं के मूल्य निर्धारण को नियंत्रित करने और वहनीयता को बढ़ावा देने के लिए नियामक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, फिर भी ऐसी दवाओं का एक बड़ा हिस्सा अब भी वर्तमान मूल्य नियंत्रण व्यवस्था के दायरे से बाहर है। समिति ने उल्लेख किया कि आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम), 2022 से संबंधित अधिसूचना के साथ, मूल्य नियंत्रण के अंतर्गत कैंसर-रोधी दवाओं की संख्या 40 (2011 में) से बढ़कर 63 (2022 में) हो गई है। हालांकि बड़ी संख्या में, कैंसर के उपचार में उपयोग की जाने वाली दवाएं औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अंतर्गत शामिल नहीं हैं और इस प्रकार वे किसी वैधानिक मूल्य सीमा के अधीन नहीं हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नियामक समावेशन न होने के कारण कीमतें अत्यधिक और अक्सर वहनीय नहीं होती, जिससे वे मरीजों के एक बड़े हिस्से की पहुंच के दायरे में नहीं होती हैं। इसके अलावा, सरकार नियामक व्यवस्था की प्रभावशीलता का समय-समय पर मूल्यांकन करने और प्रणालीगत कमियों की पहचान करने के लिए एक मजबूत, संस्थागत निगरानी तंत्र स्थापित करने पर विचार कर सकती है। समिति ने रेखांकित किया, इन उपायों के कार्यान्वयन से कैंसर रोगियों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ काफी कम हो जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एम्स झज्जर के अनुसार, सामान्य कैंसर के लिए जनसंख्या आधारित जांच और 'डे केयर सेंटर' खोलना एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम (कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और आघात की रोकथाम व नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम) के सकारात्मक पहलू हैं।

समिति ने कहा कि हालांकि, इसे और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रारंभिक कैंसर निदान के वास्ते जिला स्तर पर सुविधाओं को बढ़ाने, डेटा आधारित योजना और कैंसर सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम एवं एनपीसीडीसीएस को एकीकृत करने तथा जागरूकता फैलाने और व्यवहार परिवर्तन गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, जिलों और डे केयर सेंटर में रेडियोथेरेपी केंद्रों को चरणबद्ध तरीके से विकेन्द्रीकृत करने की आवश्यकता है। उन्हें कैंसर का पता लगाने और इसके प्रारंभिक प्रबंधन में शामिल किया जा सकता है।

झरने में डूबा तेलंगाना का एयरफोर्स जवान

साथी बिना बताए भागे, ग्वालियर से पिकनिक मनाने आए थे; एसडीआरएफ गोताखोर कर रहे तलाश

धौलपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। धौलपुर जिले के सरमथुरा थाना क्षेत्र स्थित दमोह झरने में एयरफोर्स का एक जवान डूब गया। उसके डूबते ही साथी जवान बिना किसी को सूचना दिए भाग गए। वह साथियों के साथ ग्वालियर से पिकनिक मनाने आया था। पुलिस को 12 घंटे बाद गुरुवार सुबह 6 बजे हादसे की सूचना मिली। इसके बाद गोताखोरों की मदद से जवान की तलाश की जा रही है।

सरमथुरा थाना अधिकारी कृपाल सिंह ने बताया- गुरुवार सुबह ग्वालियर से एयरफोर्स अधिकारी का फोन आया तब जवान के डूबने का पता चला। जानकारी के अनुसार ग्वालियर से एयरफोर्स के कुछ जवान बुधवार को धौलपुर के दमोह झरने पर पिकनिक मनाने आए थे। इस दौरान एक जवान पानी डूब गया। उसकी पहचान तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के तारोड़ा निवासी लक्ष्मी प्रसाद के रूप में हुई। जवान के डूबते ही अन्य जवान बिना किसी को सूचना दिए चले गए।

थानाधिकारी ने बताया कि जवान बुधवार शाम करीब 6 बजे डूबा था। गुरुवार सुबह ग्वालियर से एयरफोर्स अधिकारी का फोन आया तब हादसे का पता चला। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने लापता जवान की तलाश शुरू कर दी है। राहत और बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। साथ ही स्थानीय गोताखोर भी तलाश में जुटे हैं।

300 फीट ऊंचाई से गिरता है पानी

धौलपुर जिले के सरमथुरा उपखंड में दमोह एक प्राकृतिक झरना है, जो बारिश के दिनों में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहता है। इसमें 300 फीट ऊंचाई से पानी गिरता है। पानी इतना साफ है कि पानी के अन्दर जमीन की सतह भी देखी जा सकती है। घने जंगल के बीच स्थित यह एक दर्शनीय पर्यटन स्थल है।

दागी और सेटिंगबाज पुलिसवालों पर होगा एक्शन विजिलेंस तैयार कर रही खास लिस्ट

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हर सप्ताह दिल्ली पुलिस का एक पुलिसकर्मी रिश्वत लेते हुए सीबीआई या विजिलेंस के हत्थे चढ़ रहा है, जिससे पुलिस की छवि धूमिल हो चुकी है। ऐसे में दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों ने मंथन के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल अब दिल्ली पुलिस के तमाम जिलों व यूनिट में तैनात दागी व सेटिंगबाज पुलिसवालों की लिस्ट तैयार करने के आदेश दे दिए गए हैं। इसका जिम्मा विजिलेंस और डिसट्रिक्ट पुलिस को ही दिया गया है। इसके तहत ऐसे पुलिसकर्मियों की लिस्ट तैयार की जा रही है।

पुलिस सूत्र ने बताया, पिछले कुछ महीनों में लगातार सीबीआई और विजिलेंस रेड में पुलिसकर्मी रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हो रहे हैं। ऐसे में पिछले दिनों होम सेक्रेटरी ने दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों के साथ मीटिंग की, जिसमें लॉ एंड ऑर्डर से लेकर रिश्वकांडों को लेकर भी चर्चा हुई। दिल्ली पुलिस कमिश्नर शशि भूषण कुमार सिंह ने अपने तमाम स्पेशल सीपी व अन्य अधिकारियों के साथ मीटिंग की। तय किया गया कि अब ऐसे पुलिसकर्मियों की लिस्ट तैयार की जाए जो दागी हैं और अपराधियों के साथ मिलकर काम करते हैं। ये लिस्ट तैयार करने का जिम्मा विजिलेंस डिपार्टमेंट व डिसट्रिक्ट यूनिट को ही दिया गया है। सूत्र ने यह भी बताया कि ऐसे पुलिसकर्मियों की लिस्ट तैयार करने के बाद इन सभी पुलिसकर्मियों को साइड लाइन कर दिया जाएगा। जैसे उनका ट्रांसफर बटालियन, डिसट्रिक्ट लाइन आदि में किया जाएगा। यही नहीं उन्हें कम से कम दस साल तक सेंसिटिव पोस्टिंग नहीं मिलेगी। जल्द इनके खिलाफ एक्शन होना शुरू हो जाएगा। एक अन्य पुलिस सूत्र का कहना है कि इस लिस्ट में किस रैंक तक के पुलिसकर्मियों को रखना है, इस बारे में कुछ खुलकर नहीं बताया गया है।

मुंबई की महिला ने इंदौर में पति-ननंद पर कराई एफआईआर

रोमी बनकर यूसूफ ने की शादी, बेटे का जबरन खतना कराया

इंदौर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के तुकोगंज थाना क्षेत्र में मुंबई निवासी महिला की शिकायत पर उसके पति और ननंद के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, धमकी देने, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है।

पीड़िता का कहना है कि उसका पति पहले अपना नाम रोमी बताकर रिश्ते में आया, लेकिन शादी के बाद पता चला कि उसका असली नाम यूसुफ है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि नाबालिग बेटे का जबरन खतना कराया गया और पति ने निजी वीडियो वायरल करने की धमकी दी। मूल रूप से मलाड ईस्ट, मुंबई की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया कि साल 2005 में एक एडवर्टाइजिंग कंपनी के काम के दौरान उसकी पहचान रोमी नामक युवक से हुई। करीब पांच साल तक दोनों रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान युवक ने खुद को रोमी बताकर ही रिश्ता निभाया।

साल 2010 में दोनों ने कानूनी रूप से शादी कर ली। तभी महिला को पता चला कि रोमी का असली नाम यूसुफ है। इसके बावजूद उसने रिश्ता तोड़ा नहीं। 2011 में बेटे का जन्म हुआ। महिला ने आरोप लगाया कि बेटे के जन्म के बाद यूसुफ ने इस्लामिक पद्धति से पालन-पोषण की बात कहकर जबरन उसका खतना करा दिया।

महिला ने यह भी बताया कि इस दौरान यूसुफ की बहन गुलबानू लगातार उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव डालती रही। परिवार को टूटने से बचाने के लिए उसने चुप्पी साध ली और हालात को सहन करती रही।

पीड़िता ने आगे कहा कि जब उसने पति से अलग रहने की बात कही तो यूसुफ ने उसे डराना-धमकाना शुरू कर दिया। यहां तक कि उसने महिला को अंतरंग पलों के वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी। इससे परेशान होकर महिला ने पुलिस अधिकारियों को शिकायत सौंपी।

बुधवार को महिला तुकोगंज थाने पहुंची, जहां उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। ग्रीन पार्क कॉलोनी, साउथ तुकोगंज निवासी यूसुफ उर्फ रोमी खान और उसकी बहन गुलबानू खान पर धारा 498ए, 323, 294, 506, 34 भादवि और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

क्या पाकिस्तान से खेलना भारत की मजबूरी: बीसीसीआई ने बताए न खेलने के 4 नुकसान

एशिया कप में 3 भारत-पाक मुकाबले संभव

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने भारत पर बड़ा हमला किया था। इस घटना के कुछ ही महीनों बाद भारत को पाकिस्तान से क्रिकेट सीरीज खेलनी थी। विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू किया। वे पूछते - जो पाकिस्तान हमारा खून बहा रहा है उसके साथ हम क्रिकेट क्यों खेलना चाहते हैं? इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से खेल मंत्रालय को निर्देश आता है कि वे बीसीसीआई को कह दें कि भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेलेगी।

यह वाकया 2008 का है। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने 26 नवंबर को मुंबई में बड़ा हमला किया था। इसके बाद दिसंबर में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज पर रोक लगा दी थी।

अब सीधा 2025 में लौटते हैं। पाकिस्तान अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। पिछले 22 अप्रैल को वहां से आए आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोषों की धर्म पूछकर हत्या कर दी। इसके बाद मांग उठने लगी है कि भारत को अब न सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज बल्कि एशिया कप और वर्ल्ड कप जैसे मल्टी नेशनल इवेंट में भी पाकिस्तान का बायकॉट करना चाहिए। 9 सितंबर से यूएई में एशिया कप होना है। भारतीय टीम घोषित हो गई है और इस टूर्नामेंट में तीन भारत-पाकिस्तान मैच संभव हैं।

पाकिस्तान से खेलने या न खेलने पर सरकार की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। हालांकि, बीसीसीआई नहीं चाहता कि भारत एशिया कप में पाकिस्तान का बायकॉट करे। इस मुद्दे पर बीसीसीआई के दो शीर्ष अधिकारियों से इसकी वजह पूछी। दोनों ने नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर 4 ऐसे कारण बताए जिनकी वजह से बीसीसीआई अब भी चाहता है कि एशिया कप हो और इसमें भारत-पाकिस्तान मुकाबले भी खेले जाएं...

1. पहला कारण: पाकिस्तान को फ्री पॉइंट्स क्यों दिए जाएं

बीसीसीआई अधिकारियों का कहना है कि भारतीय टीम टूर्नामेंट खेलते हुए सिर्फ पाकिस्तान का बायकॉट कर सकती है, लेकिन ऐसा करने से पाकिस्तान को फ्री के पॉइंट्स मिलेंगे। पाकिस्तान इन पॉइंट्स की बदौलत फाइनल में भी जा सकता है और चैंपियन भी बन सकता है। हमें पाकिस्तान को फ्री पॉइंट्स क्यों देना चाहिए।

2. दूसरा कारण: एशियन ब्लॉक में भारत का दबदबा कमजोर हो सकता है

एशियन क्रिकेट काउंसिल में अब तक भारत का दबदबा रहा है। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का बायकॉट करती है तो टूर्नामेंट फ्लॉप होगा। इससे टूर्नामेंट की कमाई पर भी असर पड़ेगा। ऐसा होने से एसीसी में भारत का रुतबा कमजोर हो सकता है और पाकिस्तान बाकी देशों को भारत के खिलाफ करने की मुहिम चला सकता है।

3. तीसरा कारण: आईसीसी की राजनीति में भी बीसीसीआई कमजोर पड़ सकता है

एशियन ब्लॉक की एकजुटता की बदौलत बीसीसीआई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की राजनीति में भी मजबूत स्थिति में है। किसी मुद्दे पर अगर वोटिंग की जरूरत पड़ती है तो सभी एशियाई देश ज्यादातर मुद्दों पर बीसीसीआई का साथ देते हैं। इनमें पाकिस्तान भी शामिल है। जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनाने के मामले में भी पाकिस्तानी बोर्ड ने बीसीसीआई का साथ दिया था। इससे पहले बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की होस्टिंग के लिए भारत और पाकिस्तान एक खेमे में रहते हुए वोट डालते आए हैं।

अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का बायकॉट करती है तो एशियन ब्लॉक की एकजुटता कम होगी और आईसीसी की राजनीति में भी बीसीसीआई की पोजिशन कुछ कमजोर हो सकती है।

4. चौथा कारण: ब्रॉडकास्टर की नाराजगी नहीं झेलना चाहते

बीसीसीआई अधिकारी ने बताया कि 2024 में ही अगले चार एशिया कप के ब्रॉडकास्ट राइट्स 170 मिलियन डॉलर (करीब 1500 करोड़ रुपए) में बेचे जा चुके हैं। एशिया कप के राइट्स को इतनी कीमत सिर्फ भारत-पाकिस्तान मुकाबलों की वजह से मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच के विज्ञापन स्लॉट हर 10 सेकेंड के लिए 25 से 30 लाख रुपए में बिकते हैं। वहीं, भारत के अन्य मुकाबलों के लिए यह रकम आधी से कम हो जाती है। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान से नहीं खेलती है तो ब्रॉडकास्टर ये स्लॉट अच्छी कीमत पर नहीं बेच पाएंगे और ब्रॉडकास्टर्स को भारी नुकसान होगा। ऐसे में आगे चल कर ब्रॉडकास्टर्स नजर में बीसीसीआई की विश्वसनीयता कम होगी।

पाकिस्तान संग मैचों पर भारत सरकार का बड़ा ऐलान

नहीं होंगे द्विपक्षीय मुकाबले एशिया कप को ग्रीन सिग्नल

भारत-पाकिस्तान के बीच खेलों पर केंद्र सरकार की ओर से बड़ा ऐलान हुआ है. भारत सरकार ने साफ किया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी और पाकिस्तान की टीम को भी भारत आने की अनुमति नहीं दी जाएगी. वहीं एशिया कप और आईसीसी टूर्नामेंट जैसे मल्टीनेशन टूर्नामेंट का आयोजन अलग माना जाएगा. इनमें भारत भाग ले सकता है, बशर्ते वे किसी न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित हों. खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध बहाल करने का सवाल ही नहीं उठता. लेकिन चूंकि एशिया कप एक मल्टीनेशन टूर्नामेंट है, ऐसे में टीम इंडिया इसमें खेलने उतरेगी. इस फैसले के बाद यह साफ हो गया है कि भारत-पाकिस्तान भिड़ंत केवल एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे मंचों पर ही देखने को मिलेगी. भारतीय टीमें और खिलाड़ी उन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हिस्सा लेंगे, जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी शामिल होंगे उसी तरह, भारत में होने वाले मल्टीनेशन टूर्नामेंटों में पाकिस्तान की टीमों और खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति मलिगी.

बीसीसीआई ने चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया

2026 तक टीम चुनेंगे, 2023 में पद संभाला था

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के लिए भारतीय स्क्वॉड का एलान हो गया है। भारत के स्क्वॉड के एलान के दो दिन बाद अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बीसीसीआई ने बदल दिया है।

अब अजीत अगरकर के बतौर चीफ सेलेक्टर के कॉन्ट्रैक्ट को जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इसको लेकर रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक, ये फैसला आईपीएल 2025 से पहले लिया जा चुका।

दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने अजीत अगरकर को रिटेन करने का फैसला कुछ महीने पहले किया। बीसीसीआई उनके आने के बाद भारतीय क्रिकेट में उपलब्धियों से बेहद खुश हुआ।

जून 2023 में अजीत अगरकर को ये बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसके बाद उन्होंने भारत को

कई कामयाबी दिलाई। आईसीसी इवेंट में जीत के सूखे को खत्म किया। भारत ने 2024 में टी20 विश्व क 2024 का खिताब जीता और 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीती। भारत ने 2023 में वनडे विश्व कप के फाइनल में भी जगह बनाई।

अगरकर के कार्यकाल को रणनीतिक नेतृत्व परिवर्तन द्वारा भी परिभाषित किया गया है। उनके अधीन चयनकर्ताओं ने टेस्ट कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी और सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम की कमान दी। टीम को विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के फैसले से भी गुजरना पड़ा। कोहली और रोहित अब केवल वनडे में खेल रहे हैं और अश्विन सभी फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं।

अजीत अगरकर की कमेटी के एक सेलेक्टर की नौकरी खतरे में

मौजूदा चयन समिति में अजीत अगरकर के साथ एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरथ शामिल हैं। हालांकि, सितंबर में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम सभा की बैठक में पैनल में बदलाव होने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार, शरथ, जिन्होंने जनवरी 2023 में जूनियर चयन समिति की अध्यक्षता की थी, उन्हें हटाए जाने की उम्मीद है क्योंकि वह चयन भूमिका में चार साल के करीब पहुंचते हैं, जो कि बीसीसीआई मानदंडों के तहत अनुमत अधिकतम अवधि है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बोर्ड ने दास और बनर्जी के भविष्य पर अंतिम निर्णय लिए बिना एक नई आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि वे वर्तमान पैनल से आमतौर पर संतुष्ट हैं और बदलाव एक पद तक सीमित हो सकता है।

क्या होता है ब्रोंको टेस्ट? जिसे टीम इंडिया के गेंदबाजों को 6 मिनट में करना होगा पास

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अब जिम से ज्यादा मैदान में दौड़ते हुए नजर आएंगे. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने ये फैसला तेज गेंदबाजों की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए किया है. साथ ही इन खिलाड़ियों को ब्रोंको टेस्ट से गुजरना होगा. इस टेस्ट को पास करने के बाद ही तेज गेंदबाजों को टीम में जगह मिलेगी. इंग्लैंड दौरे पर तेज गेंदबाजों के ज्यादा चोटिल होने के बाद BCCI ने ये फैसला लिया है. ब्रोंको टेस्ट पास करने के लिए खिलाड़ियों को 6 मिनट के अंदर निर्धारित रेस पूरी करनी होगी.

क्या है ब्रोंको टेस्ट?

बीसीसीआई ने तेज गेंदबाजों की फिटनेस को और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू किया है, ताकि वे जिम में समय बिताने के बजाय मैदान में

ज्यादा दौड़ सकें. रिपोर्ट्स के मुताबिक इंग्लैंड दौरे के बाद बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में ब्रोंको टेस्ट की शुरुआत की गई है. ब्रोंको टेस्ट में एक खिलाड़ी को 20 मीटर शटल दौड़ से शुरुआत करनी होगी. इसके बाद 40 मीटर और 60 मीटर की दौड़ होगी. इन सबको मिलाकर एक सेट बनाया जाएगा.

एक खिलाड़ी से बिना रुके ऐसे पांच सेट (कुल 1200 मीटर) की उम्मीद की जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय क्रिकेटरों को ब्रोंको टेस्ट 6 मिनट के अंदर में पूरा करने के लिए कहा गया है. इससे पहले 2 किलोमीटर के टाइम ट्रायल में तेज गेंदबाजों के लिए मानक 8 मिनट 15 सेकंड था, जबकि बल्लेबाजों, विकेटकीपर और स्पिनर्स के लिए ये 8 मिनट 30 सेकंड था. इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज को छोड़कर सभी तेज गेंदबाज अपनी फिटनेस को लेकर परेशान रहे.

गौतम गंभीर ने जताई सहमति

रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रोंको टेस्ट का सुझाव स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स ने दिया था. हेड कोच गौतम गंभीर ने इस पर सहमति जताई थी. ले रॉक्स चाहते हैं कि तेज गेंदबाज जिम पर ज्यादा ध्यान देने के बजाय ज्यादा से ज्यादा दौड़ लगाएं, क्योंकि ज्यादातर खिलाड़ी दौड़ने के बजाय जिम में ज्यादा समय बिता रहे थे. इंग्लैंड दौरे पर तेज गेंदबाज आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा सहित कई गेंदबाजों को बॉलिंग करने में दिक्कत हो रही थी. इस दौरान जसप्रीत बुमराह केवल तीन टेस्ट मैच ही खेल पाए. केवल मोहम्मद सिराज ही पांचों टेस्ट मैच खेलने में सफल रहे थे. इसी को देखते हुए ब्रोंको टेस्ट की शुरुआत हुई है. ये टेस्ट पहले से मौजूद यो-यो टेस्ट के अतिरिक्त है. रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित सीओई में ब्रोंको टेस्ट दे चुके हैं.

एथलेटिक्स के बाद महिला मुक्केबाजों के लिए जेंडर टेस्ट अनिवार्य

बिना टेस्ट के कोई टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगी; पेरिस ओलिंपिक में विवाद हुआ था

लॉस एंजिलिस, 22 अगस्त (एजेंसियां)। ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी की नियामक संस्था 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप में महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली सभी मुक्केबाजों के लिए लिंग परीक्षण अनिवार्य करेगी। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' (विश्व मुक्केबाजी) ने पहले ही अपनी योजना की घोषणा कर दी है जिसके तहत प्रतियोगियों को जन्म के समय के लिंग का निर्धारण करने के लिए पॉलीमरेज चेन रिएक्शन टेस्ट या उसी तरह के आनुवंशिक स्क्रीनिंग टेस्ट से गुजरना होगा।

वर्ल्ड बॉक्सिंग ने की घोषणा

'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने घोषणा की कि ये नियम सितंबर की शुरुआत में इंग्लैंड के लिवरपूल में होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप से पहले लागू किए जाएंगे। इन परीक्षण से जैविक लिंग के सूचक के रूप में वाई गुणसूत्र की उपस्थिति या अनुपस्थिति की पहचान की जाती है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा, 'विश्व मुक्केबाजी सभी खिलाड़ियों की गरिमा का सम्मान करती है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती है कि यह यथासंभव समावेशी हो।'

क्यों अनिवार्य किया गया नियम?

उन्होंने कहा, 'फिर भी मुक्केबाजी जैसे खेल में, सुरक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक निष्पक्षता सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है और इसलिए यह नियम बनाया गया है।' पेरिस ओलंपिक चैंपियन अल्जीरिया की इमान खेलीफ ने जून में नीदरलैंड में एक टूर्नामेंट में भाग लेने से इनकार कर दिया था। यह फैसला उस समय लिया गया जब शासी निकाय ने लिंग परीक्षण शुरू करने की अपनी योजना की घोषणा की थी।

क्या खेल पाएंगी खेलीफ-टिंग?

बाद में वान डेर वोर्स्ट ने विश्व मुक्केबाजी की भविष्य की परीक्षण योजनाओं का जिक्र करते हुए खेलीफ का नाम लेने के लिए माफी मांगी। खेलीफ ने पहले टूर्नामेंट में भाग लेने की योजना बनाई थी। खेलीफ और ताइवान की स्वर्ण पदक विजेता लिन यू-टिंग ने पेरिस ओलंपिक में उनके लिंग को लेकर गलत धारणा के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया था। 26 वर्षीय खेलीफ ने बार-बार कहा है कि वह एक महिला के रूप में पैदा हुई हैं और उन्होंने लगभग एक दशक तक महिला एमेच्योर मुक्केबाजी के सभी स्तरों पर प्रतिस्पर्धा की है।

'जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासंघों की'

ओलंपिक खेलों में पहले गुणसूत्र परीक्षण आम था, लेकिन 1990 के दशक में इससे किनारा कर दिया गया था क्योंकि ठोस परिणाम पर नहीं पहुंचा जा रहा था। कई खेलों ने लिंग योग्यता निर्धारित करने के लिए हार्मोन परीक्षण का सहारा लिया, लेकिन इन परीक्षणों के लिए नियामक निकायों को उन खिलाड़ियों को लेकर कड़ा फैसला करना पड़ता है जिनमें टेस्टोस्टेरोन का स्तर अधिक पाया जाता है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने इसके साथ ही कहा कि परीक्षण कराने और परिणाम प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासंघों की है। इस साल की शुरुआत में विश्व एथलेटिक्स गुणसूत्र परीक्षण को फिर से शुरू करने वाला पहला ओलंपिक खेल बना था।

इरानी-वावसोरी फिर बने अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल चैंपियन, फाइनल में स्वियातेक-रूड की जोड़ी को हराया

न्यूयॉर्क, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए खेले गए एक कड़े फाइनल में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना मिश्रित युगल खिताब बरकरार रखा।

इटली की इस जोड़ी ने फाइनल में इगा स्वियातेक और कैस्पर रूड को 6-3, 5-7 (10-6) से हराया। इस तरह से उन्होंने दो दिनों में चार मैच जीतकर 10 लाख डॉलर की इनामी राशि हासिल की जो पिछले साल उन्हें मिली पुरस्कार राशि से कहीं अधिक है। इरानी और वावसोरी उन कई खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने पहले इस नए प्रारूप की आलोचना की थी लेकिन चैंपियन बनने के बाद उनके चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने दर्शकों का भी आभार व्यक्त किया। वावसोरी ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने सारे दर्शकों के सामने इस कोर्ट में खेलना अद्भुत था और मैं इस माहौल के लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।' इससे पहले स्वियातेक और रूड

की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले सेमीफाइनल में टाईब्रेकर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और जैक ड्रैपर को 3-5, 5-3, 10-8 से हराया।

इसके बाद दूसरे सेमीफाइनल में इरानी और वावसोरी ने डेनियल कोलिन्स और क्रिश्चियन हैरिसन को 4-2, 4-2 से पराजित किया। अमेरिकी ओपन में एकल मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का एलान

हांगझोउ में टीम इंडिया का नेतृत्व करेंगी सलीमा टेटे

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को चीन के हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए गुरुवार को 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बरकरार रखा गया। यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका विजेता 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेगा। भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत पांच सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी और फिर छह सितंबर को जापान से भिड़ेगी।

भारत अपना अंतिम पूल मैच आठ सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा। हॉकी इंडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप के लिए हमने जो टीम चुनी है उसे लेकर हम उत्साहित हैं।' सलीमा पिछले साल कप्तान नियुक्त होने के बाद से टीम का अभिन्न अंग रही हैं।

हरेंद्र ने कहा, 'यह टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है और हमने अनुभवी खिलाड़ियों तथा युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने की कोशिश की है।' उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर होगा और हमारा मानना है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है।'

टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है जिसमें गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम पर होगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी होंगी जिनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थोडम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, सलीमा, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनेलिटा टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। अग्रिम पंक्ति में अनुभवी और उभरते सितारों का मिश्रण है जिसमें नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल शामिल हैं। हालांकि अनुभवी खिलाड़ी सविता और सुशीला चानू टीम का हिस्सा नहीं हैं। ये दोनों एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में खेली थी।

महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीम:

गोलकीपर: बंसारी सोलंकी, बिचु देवी खारीबाम

डिफेंडर: मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी थोडम, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी

मिडफील्डर: नेहा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, लालरेमसियामी, सुनेलिटा टोप्पो

फॉरवर्ड: नवनीत कौर, रुतजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, दीपिका और संगीता कुमारी।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ चुनावों के लिए तैयार

महीनों की उथल-पुथल के बाद अब होगा फैसला

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। प्रशासनिक मुद्दों और आंतरिक सत्ता संघर्ष के कारण महीनों से चली आ रही अनिश्चितता का अंत बृहस्पतिवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के बहुप्रतीक्षित चुनावों के साथ होने वाला है। उम्मीद यही है कि आखिरकार रिंग के अंदर की गतिविधियां फिर से सुर्खियों में आ जाएंगी।

दो बार अध्यक्ष रहे अजय सिंह लगातार तीसरी बार अध्यक्ष बनने की कोशिश में हैं। स्पाइसजेट के प्रबंध निदेशक अजय सिंह पिछले पदाधिकारियों का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त होने के बाद भी भारतीय मुक्केबाजी में केंद्रीय व्यक्ति बने हुए हैं।

इस महीने की शुरुआत तक वह विश्व मुक्केबाजी द्वारा नियुक्त अंतरिम समिति के भी अध्यक्ष थे जो बीएफआई के दैनिक कामकाज का संचालन कर रही थी। इस व्यवस्था को नवगठित विश्व संस्था पर उनके प्रभाव का संकेत माना जा रहा है। इस दौरान पुरुष और महिला टीम के लिए नए कोच नियुक्त किए गए, संविधान में संशोधन किया गया और विवादास्पद चयन मूल्यांकन प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया। राष्ट्रीय शिविर चयन के लिए एक संशोधित प्रणाली भी लागू है।

दिलचस्प बात यह है कि अजय सिंह की अध्यक्षता वाली अंतरिम समिति ने केरल राज्य इकाई के प्रमुख डी चंद्रलाल को महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है जो मार्च में संभावित चुनावों के दौरान अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों में से एक थे। इस महीने की शुरुआत में अंतरिम समिति ने चुनावों से पहले पूर्व महासचिव हेमंत कलिता का निलंबन भी हटा दिया था। चंद्रलाल और कलिता दोनों ही चुनावों में मतदान करेंगे, लेकिन समिति की वैधता सवालों के घेरे में रही है। भारतीय ओलंपिक संघ के 'फेक्ट फाइंडिंग' आयोग ने राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 के उल्लंघन के कारण इसे बर्खास्त करने की सिफारिश की थी।

इसके अतिरिक्त कई राज्य इकाइयों ने भी अंतरिम संस्था द्वारा पेश किए गए संवैधानिक संशोधनों के खिलाफ कानूनी कदम उठाया है। हालांकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने चुनाव कराने की अनुमति दे दी है लेकिन उसने परिणामों को चल रहे मामले के अंतिम परिणाम के अधीन कर दिया है। अजय सिंह के एकमात्र प्रतिद्वंद्वी 1984 के ओलंपियन और सिक्किम राज्य इकाई के प्रमुख जसलाल प्रधान हैं जिन्हें हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और दिल्ली इकाइयों वाले प्रतिद्वंद्वी गुट का समर्थन मिलने की उम्मीद है। इस गुट ने अजय सिंह पर महासंघ को निरंकुश तरीके से चलाने का आरोप लगाया है और बीएफआई कार्यकारी समिति से परामर्श किए बिना विदेशी कोच की नियुक्ति जैसे फैसलों की ओर इशारा किया है। चुनाव मूल रूप से 28 मार्च के लिए निर्धारित थे लेकिन याचिकाओं, अपीलों और प्रति-अपीलों की बौछार के कारण स्थगित कर दिए गए थे। लगभग छह महीने बाद आखिरकार चुनाव होंगे।

अकेलेपन से हो सकती हैं दिल की बीमारियां

हम में से कई लोग कई बार अकेलापन महसूस करते हैं। लेकिन लंबे समय तक अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के एक दल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारी का खतरा 29 फीसदी और स्ट्रोक का खतरा 32 फीसदी बढ़ जाता है।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

पहचानने की क्षमता को प्रभावित करती है अनिद्रा

एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि पर्याप्त नींद नहीं लेने से चेहरा पहचानने की सटीकता पर असर पड़ सकता है। कम सोने से अधिकारियों द्वारा किया जाने वाला पासपोर्ट मिलान का महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो सकता है। उदाहरण के लिए सीसीटीवी की तस्वीर से पुलिस रिकॉर्ड से पहचान करने की या पासपोर्ट फोटो से यात्री की शक्ल मिलाने की जरूरत पड़ती है। कम नींद लेने की वजह से ये फैसले प्रभावित हो सकते हैं।

हेल्थ फैक्ट

व्यायाम से बदल सकते हैं डीएनए...

जब आलसी लोग कुछ मिनट के लिए व्यायाम करते हैं, तब उनके डीएनए पर तत्काल परिवर्तन होता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, यह व्यायाम करने वाले को मजबूत बना सकता है। व्यायाम से आदमी की मांसपेशियों का आनुवांशिक कोड बदलता नहीं है लेकिन इन मांसपेशियों के डीएनए अणुओं में कई तरह से संरचनात्मक बदलाव आते हैं। व्यायाम से डीएनए के विशिष्ट स्थानों पर पहले की घटनाओं के आधार पर मांसपेशियों की आनुवांशिक संरचना में यह बदलाव दिखता है जो ताकत बढ़ाता है और अंततः मेटाबॉलिज्म को फायदा होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, हमारी मांसपेशियों में बहुत टाक्सिन है।

यह अक्सर कहा जाता है कि आप जो खाते हैं वैसे बनते हैं। इसी तरह, आप जो करते हैं उसी हिसाब से मांसपेशियां भी बदलती हैं। यदि आप इनको निष्क्रिय बनाए रखेंगे तो इससे इसकी ताकत कम होती है और यह एक रास्ता है जिससे यह होने की अनुमति देता है। डीएनए में बदलाव का यह प्रश्न एपीजेनेटिक (वंशानुगत) संशोधन कहलाता है। यह पारिवारिक क्रम के अनुसार डीएनए के केमिकल अंकों के फायदे और नुकसान में शामिल होता है।

शोध के अनुसार

नया अध्ययन यह दर्शाया कि जो लोग पहले एक्सरसाइज करते थे उनकी हड्डियों और मांसपेशियों के डीनएनए के केमिकल अंकों की तुलना में तुरंत व्यायाम करने वाले लोगों के केमिकल अंक कम होते हैं। यह परिवर्तन उस प्रकार के डीएनए में अपना स्थान बनाता है जिसके फंक्शन कार्यशील हो जाते हैं और व्यायाम के समय मांसपेशियों के जीन्स में समायोजित होते हैं।

जब शोधकर्ताओं ने लैब में मांसपेशियों का विभिन्न डिशेज के साथ संपर्क किया, तब उन्होंने डीएनए मिथाइल समूह में समान रूप से नुकसान देखा। एपीजेनेटिक परिवर्तन जीन्स के लचीलेपन को बारी-बारी से बदलने की क्षमता रखता है। यह हमारी कोशिकाओं के डीनएनए को पर्यावरण के अनुरूप बनाता है। डॉक्टरों के अनुसार, व्यायाम दवा है, जो केवल हल्के सैर से जीनोम्स को स्वस्थ तरीके से बदलता है।

आजकल की खराब लाइफस्टाइल और बुरी आदतों की वजह से महिलाओं में फर्टिलिटी की समस्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है, जिससे कंसीव करने में बड़ी परेशानी होती है। लेकिन क्या कभी सोचा है कि अगर अपनी डाइट में कुछ ऐसे आहार शामिल कर लिये जाएं, जिससे फर्टिलिटी बढ़ जाए तो कितना अच्छा होगा। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे ही फर्टिलिटी फूड्स के बारे में, जिन्हें अपने डाइट में शामिल कर इस दिक्कत से छुटकारा पाया जा सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां, खासकर पालक प्रजनन अंगों को स्वस्थ रखते हैं। इसमें मौजूद आयरन, फॉलिक एसिड व एंटीऑक्सीडेंट्स काफी मददगार होते हैं। पालक में मिलने वाला फोलिक एसिड न सिर्फ प्रेंगनेंट होने में मदद करता है, बल्कि नवजात में होने वाली समस्याओं से भी बचाता है।

पीली व नारंगी सब्जियां

महिलाओं को अपने खाने में नारंगी व पीले रंग की सब्जियों को शामिल करना चाहिए। ये सब्जियां एंटी आक्सिडेंट व बीटा केरोटीन का अच्छा स्रोत है। बीटा केरोटीन महिलाओं में हार्मोन्स के असंतुलन को कम करता है, जिससे आपको कंसीव करने में मदद मिलती है। इसके अलावा गर्भपात की आशंका भी कम हो जाती है।

रेशेयुक्त भोजन

महिलाओं को अपने आहार में साबुत अनाज लेना चाहिए। ब्राउन राइस, गेहूं की ब्रेड, बींस और फ्लैक्स सीड को शामिल करना चाहिए। ये रेशेयुक्त आहार हैं, जो पचने में आसान होते हैं। अगर पाचन-क्रिया सही रहेगी, तो शरीर में कोई भी विषैला तत्व नहीं रहेगा।

पीएं ज्यादा पानी

यह तो सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि ज्यादा पानी पीने से कंसीव करने भी मदद मिलती है। प्रजनन अंग ठीक से काम करते हैं। प्राकृतिक तरल पदार्थ आसानी से स्पर्म सर्विक्स तक पहुंचते हैं।

गाजर खाएं

गर्भवती होने के लिए जरुरी है कि महिलाओं के मासिक धर्म नियमित हो। इसके लिए गाजर, मटर, स्वीकट पटैटो आदि का सेवन करें, इससे मासिक धर्म नियमित रहेगा। साथ ही आप जल्द ही कंसीव कर सकेंगी।

विटामिन-सी

विटामिन-सी वाले आहार, जैसे- संतरा, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी व किवी फ्रूट का नियमित सेवन करने से महिलाओं को कंसीव करने में मदद मिलती है।

दूध से बने इटेब्ल्स लें

दूध से बने खाद्य सामान महिलाओं में प्रजनन क्षमता को बढ़ाते हैं। इसलिए महिलाओं को दूध, दही खाना चाहिए। इसके अलावा मछली में मिलने वाला एमीनो एसिड भी फर्टिलिटी बढ़ाता है। आप इसे भी अपने खाने में शामिल कर सकती हैं।

जानें फर्टिलिटी फूड्स के बारे में...

बादाम खाएं

गर्भवती होने के लिए महिलाएं बादाम, अखरोट और अप्रीकॉट भी खा सकती हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो कि शरीर के लिए काफी जरूरी है। ताजा और ऑर्गेनिक फल आपको प्रेगनेंट होने में मदद करता है। ऐसे फल, जो पैक या प्रिजर्व करके रखे जाते हैं, उनमें केमिकल मिला होता है। इसलिए इसे खाने से बचना चाहिए।

डाइ इनडोलीमिथेन

बंदगोभी, फूलगोभी, ब्रोकली, मोठ व स्प्राउट्स जैसी सब्जियों में डीआईएम यानी डाइ इनडोलीमिथेन नामक तत्व भरपूर मात्रा में होता है। यह फर्टिलिटी बढ़ाने में फायदेमंद होता है। शरीर में अतिरिक्त एस्ट्रोजेन को कम भी करता है। जिससे यूट्रीन फाइब्रॉयड, ओवरी के सिस्ट और एंडोमीटोरॉयसिस जैसी समस्याएं नहीं होती हैं।

नट्स और बीन्स

नट्स और बीन्स में जरुरी फैटी एसिड, विटामिन्स, मिनिरल्स और भरपूर मात्रा में प्रोटीन होते हैं। इसके अलावा ये बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करते हैं। इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक होता है। प्रजनन-तंत्र को जरुरी तत्व मिलते हैं। इससे महिलाओं में भ्रूण का विकास तेजी से होता है। पुरुषों में स्पर्म की क्वॉलिटी भी सुधरती है।

मछली में ओमेगा-3

मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड, डीएचए, इपीए, विटामिन-डी और बी-12 नामक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। ये शरीर में हार्मोन्स को संचालित करते हैं। मछली न सिर्फ फर्टिलिटी बढ़ाने में फायदेमंद है, बल्कि गर्भावस्था के दौरान भी शिशु के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि ओमेगा-3 एसिड युक्त डाइट के सेवन से पुरुष फर्टाइल होते हैं। इसलिए यह सभी के लिए फायदेमंद है।

अंडा है फायदेमंद

अंडे की पीली जर्दी फर्टिलिटी के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 एसिड, विटामिन-ए और ई, पानी में घुलने वाला विटामिन-बी, यानी कोलाइन भी होता है। इसके सेवन से गर्भ के भीतर शिशु का नर्व सिस्टम ठीक रहता है। ऐसे में अंडे का सेवन फर्टिलिटी बढ़ाने और हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिए फायदेमंद है।

हेल्थ केयर

वजन घटाने में फायदेमंद हैं जापानी नुस्खे

वजन घटाने के लिए कोई जिम जाता है तो कोई डाइटिंग करता है। इसके बाद भी बहुत से लोगों का वजन कंट्रोल नहीं होता है। क्या आप जानते हैं कि जापानी लोग अपना वजन कैसे घटाते हैं, और इसकी प्रकिया किस तरह होती है, तो आपको जानकर आश्चर्य होगा वो वजन घटाने के जापानी नुस्खे काम में लेते हैं। इसे असा कहा जाता है।

विशेषज्ञ भी मानते हैं कि ये वजन कम करने का सांइटिफिक और अचूक उपाय है। जिसके नियमित इस्तेमाल से वजन कम होना तय है। जिस तरह हमारे यहां ज्यादातर लोग दिन की शुरुआत नींबू पानी या फिर चाय से करते हैं, उसी तरह जापान में लोग दिन की शुरुआत गुनगुने पानी और केले से करते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो गुनगुना पानी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है।

मेटाबॉलिज्म दुरुस्त होने से फैट जल्दी बर्न होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है, लेकिन इससे कमजोरी हो सकती है। ऐसे में केला खाना फायदेमंद होता है। केला खाने से एनर्जी मिलती है और पेट भी भरा हुआ महसूस होता है। इससे समय-समय पर कुछ खाने का मन नहीं करता। वजन कंट्रोल होने का ये एक बहुत बड़ा कारण है। आप सिर्फ सुबह उठते ही एक गिलास गुनगुना पानी पिएं। उसके बाद आधे घंटे तक वॉक करें।

अब दो केले खाएं। इस उपाय को नियमित रूप से करें। इससे वजन तो कम होगा ही। साथ ही अन्य फायदे भी होंगे। इससे इंफेक्शन का खतरा कम होता है और कई बीमारियों से बचाव होता है। पेट से जुड़ी परेशानियां दूर हो जाती हैं। बॉडी टॉक्सिन्स दूर हो जाते हैं, जिससे त्वचा पर निखार आता है। कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मददगार है।

फ्लू से निजात दिलाएंगी यह नई वैक्सीन

इन दिनों फ्लू, वायरल बुखार,डेंगू और चिकनगुनिया की समस्या काफी फैली हुई है। ऐसा मौसम बदलने के कारण होता है क्योंकि मौसम के बदलने से तापमान में उतार-चढ़ाव आता रहता है और इसकी के वजह से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। शरीर के कमजोर होने से यह फ्लू जैसी समस्याए हो जाती है। फ्लू एक संक्रामक बीमारी है। यह एक व्यक्ति से दूसरें में प्रवेश कर जाती है। आज हम आपको इसके इलाज के बारे में बताएंगे। फ्लू से बचने के लिए ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक नई वैक्सीन इलाज को शुरू किया है, जो संक्रामक विषाणुओं से रक्षा करेगा साथ ही भविष्य में फैलने वाले फ्लू को रोकने में मदद करेगा। इस वैक्सीन की एक खुराक से 88त फ्लू पर काबू पाया जा सकता है। दुनियाभर में फ्लू से निपटने के लिए वैश्विक टीके तैयार किए हैं, जिनमें से एक टीका 88 प्रतिशत फ्लू से निजात दिलाएगा। दूसरा टीका 95 प्रतिशत अमेरिकी इंफ्लूएंजा के लिए बनाया गया है। वैक्सीन की खोज को बहुत बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। ब्रिटेन के लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डेरेक गैदरर के मुताबिक वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित इलाज है। उन्होंने बताया है कि अगले साल तक इसे मार्किट में लाया जाएंगा।

चलने के बाद पैरों में दर्द बड़े खतरे की निशानी

आजकल जैसे-जैसे लोग जागरूक हो रहे हैं, टांगों में उभरने वाली नीले रंग की मकड़ीनुमा नसों को लेकर चिंता बढ़ रही है। जिस रफ्तार से हम लोग आरामतलब व विलासितापूर्ण जीवन शैली को अपना रहे हैं, उसी रफ्तार से हमारी टांगें वेरीकोस वेन्स की शिकार हो रही हैं। शुरूआती दिनों में हम लोग स्वभावत इनकी उपेक्षा करते हैं, पर जब तकलीफ ज्यादा बढ़ जाती है, तो इधर-उधर बगैर सोचे-समझे परामर्श लेना शुरू कर देते हैं। इस तरह के अधकचरे इलाज का परिणाम टांगों में कालिमा या लाइलाज घाव के रूप में निकलता है। सबसे ज्यादा इसके शिकार दुकानदार व महिलाएं होती हैं। नियमित चलने की आदत को जिसने अलविदा कहा और ज्यादा देर तक लगातार बैठने की आदत को जाने-अनजाने या मजबूरी में गले लगाया, उसकी टांगों में वेरीकोस वेन्स का देर-सवेर प्रकट होना नित है।

कैसे पहचानें?

अपनी टांगों व पैर का ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए। अगर आपको केंचुआनुमा या मकड़ीनुमा उभरी हुई नीले रंग की नसें टांगों की त्वचा पर दिख रही हैं या काले रंग के निशान व काले रंग के चकत्ते या बिंदियां दिखाई पड़ रही हैं, तो आप यकीनन वेरिकोस वेन्स से ग्रसित हो चुके हैं। अगर थोड़ा चलने के बाद आपके पैरों में सूजन या थकान या हल्का दर्द महसूस होने लगे तो आप समझ जाइए कि आप वेरीकोस वेन्स के शिकार होने जा रहे हैं। अगर चलने के बाद टांगों में थोड़ी लाली व उभरी हुई नीले रंग की नसें दिखने लगें तो यकीन वेरीकोस वेन्स से आपका नाता जुड़ चुका है।

कारण

अगर आप आरामतलब व बैठे रहना पसंद करने वाले व्यक्ति हैं तो आपकी टांगें वेरीकोस वेन्स से दूर नहीं हैं। आप कुछ इस तरह समझ लें कि अगर आप गुसलखाने में स्नान करने जाएं जहां शुद्ध जल सप्लाई करने वाला पानी का नल व स्नानघर से निकलने वाली नाली दोनों सुचारू रूप से काम कर रहे हैं तो नहाने वाले को कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि नल से निकलने वाले शुद्ध पानी से जब आप स्नान करेंगे तो गंदा पानी नाली द्वारा बाहर निकलता रहेगा। अगर कहीं नाली संकरी हो जाए या ठीक से अपना काम न करे या किसी वजह से उसमें रुकावट आ जाए, तो जाहिर है कि वह साबुन मिश्रित गंदा पानी आपके नहाने के बाद बाथरूम में इकट्ठा होता रहेगा और निकलने का दूसरा रास्ता ढूंढने लगेगा जैसे बाथरूम की दीवारों से रिसना या दरवाजे की दरार से निकलना या ऊपर तक भर जाने पर खिड़की से रिसना। ठीक उसी तरह से बाथरूम की जगह आप अपनी टांग को समझ लीजिए, जिसमें धमनियों यानी पैरों की आर्टरी से शुद्ध रक्त निरंतर प्रवाहित हो रहा है, जिसकी वजह से चलने के लिए जरूरी आक्सीजन की हमेशा आवश्यकता रहती है, टांगों की मांसपेशियों को आक्सीजन सप्लाई करने के बाद, रक्त आक्सीजन रहित व गंदा हो जाता है। यह रक्त अब तभी लाभदायक और फिर से इस्तेमाल यानी पैरों को दोबारा से सप्लाई करने लायक बनेगा जब दोबारा इसमें आक्सीजन डाली जाए। इसके लिए यह जरूरी है कि पैर में इकट्ठा हुआ यह गंदा रक्त ऊपर चढ़ कर दिल के जरिए फेफड़े तक पहुंचे। फेफड़े में फिर से आक्सीजन प्राप्त करके दोबारा फिर सर्कुलेशन में आए और आर्टरी के जरिए फिर से पैरों को शुद्ध रक्त पहुंचे। अगर किसी भी कारण से अशुद्ध रक्त ऊपर नहीं चढ़ेगा तो उसके पैर व टांगों में इकट्ठा होने की क्रिया बढ़ती जाएगी और टांगों में सामान्यत सोई हुई वेन्स गंदे रक्त से भरने लगेंगी और फूलने के कारण खाल के नीचे उभरी हुई मकड़ी के जाले की तरह दिखने लगेंगी। यहीं से वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो जाती है।

सर्जरी व लेजर तकनीक में अंतर

दोनों का उद्देश्य एक ही है। वेरीकोस वेन्स से टांगों को छुटकारा दिलाना यानी किसी से पीछा छुड़ाने के दो रास्ते हैं या तो उसको अपने इलाके से बाहर निकलवा दो या फिर उसको अपने इलाके में ही खत्म कर दो। ठीक उसी तरह से वेरीकोस वेन्स को टांग से बाहर निकालने का काम सर्जरी का है और टांग के अंदर ही अंदर खत्म कर देने का काम लेजर तकनीक का है इसलिए वेरीकोस वेन्स के इलाज के रास्ते अलग-अलग हैं पर मंजिल एक ही है।

लेजर से इलाज के फायदे

इस तकनीक में मरीज को बेहोश नहीं करना पड़ता और चमड़ी में कट भी नहीं लगाने पड़ते इसलिए टांके लगवाने और कटवाने की जरूरत नहीं पड़ती। अस्पताल में ज्यादा दिन तक रुकना नहीं पड़ता। एक दिन में ही मरीज घर जा सकता है। न ब्लीडिंग, न ड्रैसिंग का चक्कर। अगले दिन से ही मरीज अपने काम पर लौट सकता है। फिलहाल मरीज के लिहाज से व उपचार के लिहाज से भी यह तकनीक अत्यंत सुगम व लाभदायक है। इसके अलावा आर.एफ.पी नामक एक नई उपचार विधि विकसित हुई है जो लेजर तकनीक की तुलना में अधिक लाभदायक है।

इलाज

अगर आपको लगता है आपकी टांगों में वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो चुकी है तो हाथ पर हाथ धर कर मत बैठिए, तुरंत किसी वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श लें। वेरीकोस वेन्स की शुरूआत होने पर, तुरंत सर्जरी या लेजर की जरूरत नहीं पड़ती बल्कि अपनी आरामपसंद दिनचर्या में फेरबदल करना पड़ता है। रोज सुबह व शाम को एक-एक घंटे यानी कुल दो घंटे पार्क में टहलना पड़ता है। पैरों को कुर्सी से एक घंटे से ज्यादा लटका कर नहीं बैठना होता है और न ही एक घंटे से ज्यादा लगातार खड़े रहना होता है। अपने बढ़े हुए वजन को घटाना पड़ता है। दिन में चलते वक्त एक विशेष किस्म की जुराबों को टांगों पर पहनना पड़ता है। इसके साथ-साथ हर दो महीने में वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श करते रहना पड़ता है। अगर वेरीकोस वेन्स पूरी तरह से विकसित हो जाती हैं या पैरों पर काले निशान व चकत्ते उभर आते हैं या सूजन व लाली बनी रहती है या फिर घाव उभरने लगे हों, तो ऐसी परिस्थितियों में सर्जरी या लेजर या आर.एफ.ए. तकनीक का सहारा लेना पड़ता है। इसके लिए किसी ऐसे अस्पताल में जाएं जहां वैस्क्युलर सर्जरी का महकमा हो और इन सब इलाजों की सुविधा हो।

रेसिपी

आलू कबाब

सामग्री

2 आलू (उबले हुए)
2 हरी मिर्च (कटी हुई)
1 टीस्पून अदरक (कद्दूकस किया हुआ)
1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर
1 टीस्पून सेंधा नमक
1 कप व्रत के चावल

विधि

सबसे पहले उबले हुए आलओं को कद्दूकस कर लीजिए। अब एक बाऊल में कद्दूकस किए गए आलू, हरी मिर्च, अदरक, काली मिर्च पाऊडर और सेंधा नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें।, अब इस मिश्रण हाथ में ले और छोटी-छोटी बॉल बना लें। अब इन बॉल्स को व्रत के आटे में रोल करें। अब एक कडाही में तेल गर्म करें। तेल गर्म होने पर तैयार की गई बॉल्स को फ्राई करें। आलू कबाब तैयार है। इन्हें नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

ड्राईफ्रूट शेक

सामग्री

3 कप ठंडा दूध, 2 टेबलस्पून शहद
8 काजू, 6 बादाम, 10 किशमिश
8 पिस्ता, 1 अखरोट
आधा टीस्पून इलायची पाऊडर
3 अंजीर और खजूर (दूध में भिगोए हुए)
शक्कर स्वादानुसार, 3 टीस्पून वेनीला एक्सट्रेक्ट
मिक्स ड्रायफ्रूट्स (कटे हुए)

विधि

शेक बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में भिगोए हुए अंजीर-खजूर, आधा कप दूध और सारे ड्राईफ्रूट्स डालकर मिक्सर में पीस लें। दूध में शहद, इलायची पाऊडर और शक्कर मिलाकर ब्लेंड करें। अब इसमें ड्राईफ्रूट्स पेस्ट और वेनीला एक्सट्रेक्ट डालकर अच्छे से ब्लेंड करें। जब शेक बन जाएं तो फ्रिज में आधे घंटे के लिए ठंडा करने के लिए रखें। अब गिलास में डालकर ड्राईफ्रूट्स से सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

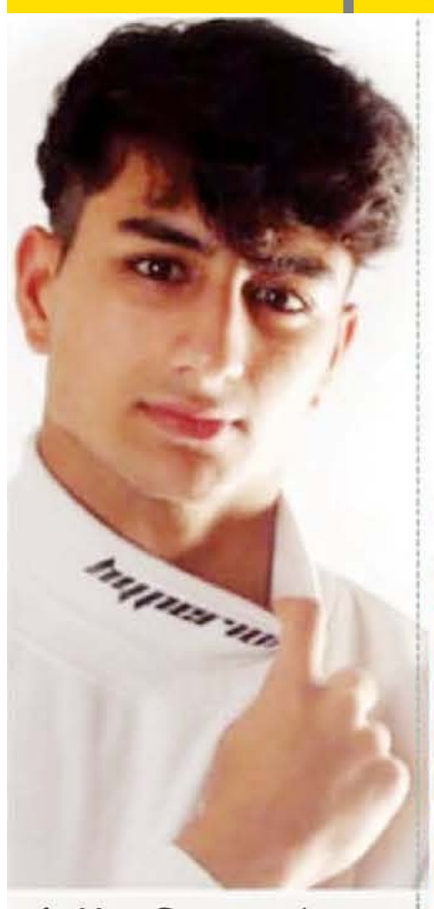

मैडॉक फिल्म्स के साथ काम कर रहे हैं इब्राहिम अली खान

सैफ अली खान के बेटे और अभिनेता इब्राहिम अली खान इन दिनों बहुत व्यस्त चल रहे हैं। उनके पास कई प्रोजेक्ट हैं। हाल ही में उनकी फिल्म सरजमीं रिलीज हुई है। इसके बाद उन्होंने दिलेर पर काम करना शुरू किया है।

अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें नजर आ रहा है कि वह रिकॉर्डिंग स्टूडियो में हैं। उन्होंने इन तस्वीरों के जरिए अपने फैंस को अपनी अगली फिल्म के बारे में अपडेट दी है। पोस्ट के मुताबिक दिलेर दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही है। इसका निर्देशन कुणाल देशमुख कर रहे हैं। उन्होंने जन्नत और तुम मिले जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

पूरी हो गई दिलेर की शूटिंग

खबरों के मुताबिक दिलेर की शूटिंग इसी साल जनवरी में पूरी हुई है। फिल्म की शूटिंग चंडीगढ़, मुंबई, लंदन और कई दूसरी जगहों पर हुई है। कुणाल देशमुख की पत्नी सोनाली ने फिल्म पूरी होने पर कई तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा दिलेर की शूटिंग पूरी हो गई। बहुत अच्छा सफर था।

श्रीलीला भी आएंगी नजर

फिल्म में इब्राहिम अली खान अहम किरदार में हैं। इसमें उनके साथ लीड रोल में साउथ की अभिनेत्री श्रीलीला हैं। फिल्म के बारे में बाकी जानकारी को गुप्त रखा गया है।

इब्राहिम अली खान का वर्कफ्रंट

इब्राहिम अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में कायोज ईरानी की फिल्म सरजमीं में नजर आए थे। इसमें उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन ने अभिनय किया है। फिल्म में उन्होंने एक आर्मी अफसर के बेटे का किरदार निभाया है। उन्हें आतंकवादी किडनैप कर लेते हैं और कई वर्षों के बाद छोड़ते हैं।

कॉकटेल 2 में हुई कृति सेनन की एंट्री

बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल आने वाला है। साल 2012 में रिलीज हुई इस फिल्म में जहां दीपिका पादुकोण, सैफ अली खान और डायना पेंटी की तिकड़ी देखने को मिली थी, वहीं अब 'कॉकटेल 2' में नए चेहरों के साथ एक ताज़ा तड़का लगने जा रहा है। इस बार फिल्म की कमान संभाली है निर्देशक होमी अदजानिया ने और सबसे बड़ी खबर ये है कि कृति सेनन इस बार फिल्म की लीड अभिनेत्री होंगी।

होमी अदजानिया ने किया कन्फर्म

हाल ही में निर्देशक होमी अदजानिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कृति सेनन की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने कॉकटेल 2 का हैशटैग यूज किया। इसके साथ ही उन्होंने वर्क इन प्रोग्रेस भी लिखकर इस बात का संकेत दिया कि फिल्म की तैयारियां अब जोरों पर हैं। इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, क्योंकि अभी तक फिल्म से जुड़ी कोई आधिकारिक कास्टिंग अनाउंसमेंट सामने नहीं आई थी। लेकिन अब कृति की फिल्म में एंट्री का ऐलान हो चुका है।

क्या होगी नई कॉकटेल की कहानी?

फिल्म की कहानी को लेकर काफी गोपनीयता बरती जा रही है। हालांकि सूत्रों की मानें तो इस फिल्म में मॉडर्न रिश्तों और आधुनिक प्यार की एक नई परत को उजागर किया जाएगा। कहा जा रहा है कि फिल्म में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में होंगे। ये तिकड़ी पहले कभी साथ नहीं दिखी और ऐसे में इन तीनों की केमिस्ट्री दर्शकों के लिए एक नया अनुभव बन सकती है।

शूट से पहले ही रश्मिका ने भी बटोरी सुर्खियां

हाल ही में रश्मिका मंदाना ने भी निर्देशक होमी की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए अपनी एक मजेदार तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने लिखा वर्क इन प्रोग्रेस और चेहरा छिपा रखा था। यह संकेत था कि वो भी इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं, हालांकि उन्होंने इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

फिर शाहिद और कृति की जोड़ी

कृति सेनन और शाहिद कपूर पहले 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में साथ नजर आ चुके हैं और अब इस नई फिल्म में एक बार फिर इनकी जोड़ी दर्शकों को देखने को मिलेगी। पिछली फिल्म में इनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को सराहा गया था, ऐसे में 'कॉकटेल 2' से भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है और इसकी पटकथा लिखी है लव रंजन ने। बताया जा रहा है कि फिल्म साल 2026 के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृति के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

कृति के फैंस के लिए यह खबर किसी तोहफे से कम नहीं, क्योंकि वो पहले ही धनुष के साथ 'तेरे इश्क में' और रणवीर सिंह के साथ 'डॉन 3' जैसी बड़ी फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। अब 'कॉकटेल 2' उनकी फिल्मी लिस्ट में एक और दमदार नाम जोड़ता है।

मिर्जापुर द फिल्म में जितेंद्र कुमार के साथ रवि किशन की भी हुई एंट्री

पॉप्युलर वेब सीरीज मिर्जापुर के चौथे सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार रवि किशन और जितेंद्र कुमार भी कलाकारों के साथ जुड़ गए हैं, हालांकि उनके किरदार अभी तक गुप्त रखे गए हैं। मिर्जापुर द फिल्म, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं, 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

पॉप्युलर वेब सीरीज मिर्जापुर के अगले सीजन के लिए सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अब तक तीन सीजन आ चुके हैं और चौथे सीजन को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। जहां अली फजल और पंकज त्रिपाठी के किरदारों की धड़पकड़ दर्शकों को एक बार फिर से एंटरटेन करेगी। वहीं, इस बार रवि किशन और जितेंद्र कुमार भी उनका साथ देंगे। हालांकि उनका क्या रोल होगा, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मिर्जापुर द फिल्म से जुड़े एक सोर्स ने बताया है, जितेंद्र और रवि किशन फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। फिल्म की मुहूर्त पूजा गुरुवार, 14 अगस्त को हुई और वो दोनों ही इसमें मौजूद थे। उनके किरदारों को फैंस के लिए एक बड़े सरप्राइज के तौर पर रखा जा रहा है। कलाकारों के लुक टेस्ट और रीडिंग सेशन शुरू हो चुके हैं और अगले कुछ दिनों तक जारी रहेंगे। जितेंद्र और रवि भी प्री-प्रोडक्शन के काम में शामिल हो गए हैं। फिल्म अगले महीने फ्लोर पर जाएगी।

पोर्टल ने जब रवि किशन से कॉन्टैक्ट किया तो उन्होंने इस बारे में बात करने से मना कर दिया और जितेंद्र की तरफ से भी कोइ रिएक्शन नहीं मिला। लेकिन पुरानी रिपोर्ट्स में बताया गया था कि जितेंद्र कुमार को विक्रांत मैसी की जगह कास्ट किया गया है और वह लीड रोल में दिखाई देंगे। और बबलू पंडित का रोल निभाएंगे। हालांकि मेकर्स ने कुछ कंफर्म नहीं किया है। 2024 में ही इसके चौथे सीजन की अनाउंसमेंट कर दी गई थी। अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येंदु का एक वीडियो आया था, जिसमें उन्होंने ऐलान किया था।

मिर्जापुर द फिल्म की रिलीज डेट

पुनीत कृष्णा की प्रोड्यूस्ड और गुरमीत सिंह की डायरेक्टेड मिर्जापुर द फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज होगी। अमेजन प्राइम वीडियो पर ये पूरे देशभर में देखी जा सकेगी। बताया जा रहा है कि श्वेता त्रिपाठी का इसमें कमबैक हो सकता है, जिनकी तीसरे सीजन में जान जाते हुए दिखाया गया था। साथ ही पंकज त्रिपाठी का वफादार नौकर भी बदला लेने के लिए लौटेगा।

झांसी की रानी का किरदार निभाकर मुझे एक नया जन्म मिला

भारतीय जनता पार्टी की सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना ने शिरडी साईं बाबा के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने अपनी फिल्म मणिकर्णिका - द क्वीन ऑफ झांसी में झांसी की रानी का रोल निभाने को लेकर अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में झांसी की रानी का रोल निभाकर उन्हें एक नया जन्म मिला। वह झांसी की रानी फिल्म से पुनर्जीवित हुईं। फिल्म इंडस्ट्री ने जो मेरी इमेज खराब कर रखी थी, उसमें भी परिवर्तन आया। कंगना रनौत ने आगे कहा कि इस फिल्म के जरिए उन्हें देश और आजादी के संघर्ष के बारे में जानने को मिला। स्कूल में छोटे-छोटे बच्चे झांसी की रानी पर कार्यक्रम करते हैं और झांसी की रानी का किरदार निभाते हैं तो यह देखकर बहुत अच्छा लगता है। हमारी वीरांगनाओं पर और फिल्म बननी चाहिए।

निधि अग्रवाल ने रोमांचक फिल्म की घोषणा के साथ मनाया जन्मदिन

साउथ एक्ट्रेस निधि अग्रवाल ने अपनी कुछ ही फिल्मों से दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर ली है। उनके जन्मदिन पर द राजा साहब के निर्माताओं ने उनका कैरेक्टर पोस्टर जारी कर उन्हें जन्मदिन की खास बधाई दी है। निर्माताओं ने निधि की खास तस्वीर इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की और कैप्शन में लिखा, उसकी आंखों में राज हैं, उसकी मौजूदगी सिहरन पैदा करती है, पर चेहरा अनदेखा रहता है! इस दशहरा पर, अंधेरे को नाम मिल गया है, उसके खुलासे का इंतजार है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ज्योति क्रिएशन्स ने अपनी पहली फिल्म में निधि को मुख्य भूमिका में लेने की घोषणा की है। इस फिल्म का नाम दशहरा के मौके पर बताया जाएगा। फिल्म के निर्माता पुप्पाला अप्पाला राजू हैं और इसे निखिल कार्तिक एन ने लिखा और निर्देशित किया है। निधि अग्रवाल एक भारतीय अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने 2017 में मुन्ना माइकल से बॉलीवुड में डेब्यू किया और इसके लिए जी सिने अवॉर्ड जीता। इसके बाद 2018 में तेलुगु फिल्म सव्यसाची और 2021 में तमिल फिल्म ईश्वरन से तेलुगु और तमिल सिनेमा में कदम रखा। निधि जल्द ही प्रभास की फिल्म द राजा साब में नजर आएंगी।

मुझे देशभक्ति विरासत में मिली, मेरे दादा आजादी की लड़ाई में शहीद हो गए थे

फिल्मी खानदान से ताल्लुक रखने वाले फारूक कबीर के लिए इंडस्ट्री में अपनी जमीन तलाशना आसान नहीं था। अल्लाह के बंदे जैसी चर्चित फिल्म से निर्देशक बने फारूक कबीर अशोका और फिर भी दिल है हिंदुस्तानी में सहायक निर्देशक भी रहे। उन्होंने अवॉर्ड विनिंग डॉक्यूमेंट्री अनहर्ड वॉइसेज ऑफ इंडिया भी बनाई। खुदा हाफिज वन और खुदा हाफिज टू के बाद वह इन दिनों ओटीटी की नई सीरीज सलाकार के कारण चर्चा में हैं।

बचपन से ही फिल्मी माहौल में पले-बढ़े फारूक कबीर अपनी पृष्ठभूमि के बारे में कहते हैं, मैं अपने करियर और जीवन में अपनी मम्मी से काफी प्रभावित रहा हूं। मेरी मम्मी सबीहा कॉस्ट्यूम डिजाइनर हुआ करती थीं लंबे समय तक। शर्मिला टैगोर, पद्मिनी कोल्हापुरे, मीनाक्षी शेषाद्रि, फरहा, तब्बू, नीलम, माधुरी दीक्षित और किमी काटकर जैसी कई एक्ट्रेसेस के लिए वह कॉस्ट्यूम डिजाइन किया करती थीं। मुझे लगा कि मेरी मां अगर इतने साल तक मेहनत करके हमें पाल-पोसकर किसी काबिल बनाती हैं, तो फिर मुझे तो उनके नाम को रोशन करना ही है। यही वजह थी, जो मैंने भी फिल्मी दुनिया को चुना।

फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, अशोका और प्यार इश्क और मोहब्बत जैसी फिल्मों में सहायक निर्देशक रहे फारूक कबीर, उस दौर के अपने अनुभव के बारे में कहते हैं, शाहरुख (खान) भाई से मैंने विनम्रता और कड़ी मेहनत करना सीखी। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे अजीज मिर्जा और संतोष सिवान जैसे फिल्मकारों की सोहबत मिली, जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा। उस वक्त मैं मात्र 18 साल का था। इन फिल्मकारों से मैंने सीखा कि राइटिंग और स्टोरी टेलिंग बहुत जरूरी होती है। इंडिपेंडेंट निर्देशक बनने का सफर काफी मुश्किल रहा सहायक निर्देशक के रूप में काम कर चुके फारूक ने अमेरिका जाकर राइटिंग का डिप्लोमा भी लिया। वह अपने सफर के बारे में कहते हैं, असिस्टेंट डायरेक्टर से इंडिपेंडेंट डायरेक्टर बनने का मेरा सफर आसान नहीं था। मैंने काफी संघर्ष किया, मेरी स्क्रिप्ट को कई बार नकारा गया, मगर मैंने कभी ये नहीं सोचा कि मेरी क्षमता में कोई कमी है। पूरे दस साल बाद आई मेरी खुदा हाफिज और उसके बाद खुदा हाफिज 2...अब हाल ही सीरीज सलाकार आई है, जिसकी कहानी को संजीदगी से कहना जरूरी था। मैंने 6 महीने तक ये स्क्रिप्ट लिखी। ये सीरीज लिखना इसलिए चुनौतीपूर्ण था कि ये एक पीरियड ड्रामा है और 1978 का माहौल दर्शाना आसान नहीं था। हमने इसमें दो टाइमलाइन रखी हैं। एक आज की और एक तब की।

भारत-पाकिस्ताने के मुद्दे पर क्यों होती हैं ज्यादातर भारतीय फिल्में?

मगर हमारी ज्यादातर फिल्में इंडिया-पाकिस्तान के मुद्दे के इर्दगिर्द ही क्यों होती हैं? इस सवाल के जवाब में वह कहते हैं, हमारी ये फिल्म इंडिया-पाकिस्तान के बीच हुई सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं, इसमें हमने दो देशों के मुद्दे को जबरन नहीं डाला। ये एक सच्चे जासूस की कहानी है, जहां 1978 के जमाने में देश के लिए लड़ा था। ये भारत के अनसंग हीरोज की कहानी है।

देशभक्ति का पाठ घर में पढ़ाया गया है

फारूक कबीर की फिल्मोग्राफी पर अगर नजर डाली जाए, तो उनका देश भक्ति से ओतप्रोत फिल्मों की ओर ज्यादा झुकाव रहता है। उनकी पिछली फिल्में खुदा हाफिज और खुदा हाफिज 2 भी उसी तर्ज पर थीं और अब सलाकार भी एक देशभक्ति से लबरेज़ स्पाई ड्रामा है। वह कहते हैं, मैं अपनी जमीन को बहुत अच्छे ढंग से जानता हूं। एक जमाने में मैंने एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई थी, जिसमें मैं बाई रोड 27,000 किलोमीटर पूरा इंडिया घूमा था

पत्रकार समाज का आईना होता है : डॉ. महेश शर्मा

नोएडा मीडिया क्लब में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का हुआ समापन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब में चल रही है तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का बृहस्पतिवार को समापन किया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा मौजूद रहे। जिन्होंने फोटो गैलरी में लगी विभिन्न तस्वीरों का अवलोकन किया और उन्हें खींचने वाले फोटो जर्नलिस्ट की तारीफ की।

गौरततलब है कि तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी में करीब 50 से भी अधिक दिल्ली एनसीआर के फोटो जर्नलिस्ट द्वारा विभिन्न मुद्दों और पहलुओं पर खींची हुई तस्वीरों का प्रदर्शन किया गया था, तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी को देखने के लिए काफी संख्या में शहरवासी नोएडा मीडिया क्लब की फोटो गैलरी में मौजूद रहे।

समापन दिवस के अवसर पर डॉ. महेश शर्मा द्वारा फोटो प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाले फोटो जर्नलिस्ट को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा की पत्रकार समाज का आईना होता है और पत्रकारों के लिए ऐसे कार्यक्रम करने के लिए मीडिया क्लब को साधुवाद, ऐसे कार्यक्रमों के जरिए पत्रकारों को प्रोत्साहन मिलता है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि फोटो एक ऐसा माध्यम है जो हजार शब्दों से भी ज्यादा भाव अपने अंदर रखता है ,इसके लिए कई बार फोटो जर्नलिस्ट को कई कई घंटों तक मेहनत करनी पड़ती है तब जाकर एक फोटो कैमरे में कैद हो पाती है।

समापन दिवस के अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान और पूर्व विधायक विमला बाथम,नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर के अध्यक्ष ललित ठकराल,नोएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन, फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, आईएमए नोएडा के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर एन के शर्मा, फेलिक्स अस्पताल के अध्यक्ष डॉक्टर डी.के. गुप्ता, उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉक्टर पीयूष द्विवेदी, समाजसेवी त्रिलोक शर्मा, युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष विकास जैन, अग्रवाल मित्र मंडल के पूर्व महासचिव मनोज गोयल, भाजपा महामंत्री चंदगीराम यादव नेता, उपाध्यक्ष महेश अवाना, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, मानव सेवा समिति के अध्यक्ष यु.के. भारद्वाज,किसान नेता सुभाष भाटी आदि मौजूद रहे।

इस अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने फोटो प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाले सभी फोटो जर्नलिस्ट का धन्यवाद अदा किया और उनसे वादा किया कि अगली बार फोटो प्रदर्शनी को और बड़े स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

इस दौरान मीडिया क्लब के महासचिव जेपी सिंह, सचिव जगदीश शर्मा, उपाध्यक्ष अमित चौधरी, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स और कार्यकारिणी सदस्य आंचल यादव समेत मीडिया क्लब के संरक्षक मंडल के वरिष्ठ पत्रकार और मीडिया क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

राष्ट्र की सेवा करने का उत्तम तरीका है शिक्षक बनना : डॉ. अमिता चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। कॉनफेडेरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा ''शिक्षा में परिवर्तन -भारत के भविष्य के स्कूलों को आकार देना'' विषय पर आयोजित 9 वें सीआईआई नेशनल स्कूल एजुकेशन सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन एमिटी विद्यालय समूह की चेयरपरसन डॉ. अमिता चौहान, पूर्व मिस इंडिया एवं पूर्व सदस्य सीएबीई (केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड) डॉ. स्वरूप संपत रावल और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की उप महानिदेशक सुश्री अमिता सरकार ने नई दिल्ली में किया गया।

9वें सीआईआई राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 का शुभारंभ करते हुए एमिटी विद्यालय समूह की चेयरपरसन डॉ. अमिता चौहान ने कहा कि राष्ट्र की सेवा करने का सबसे उत्तम तरीका एक शिक्षक बनना है और शिक्षा की भूमिका व्यक्ति का उत्थान, समाज की भलाई में योगदान देना है, जहाँ सच्ची शिक्षा नैतिक आचरण और चरित्र से मापी जाती है। जैसे-जैसे भारत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुरूप अपनी शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना कर रहा है, उसी के अनुरूप युवाओं के नेतृत्व में परिवर्तन, नीति और निर्णय लेने में छात्रों की आवाज को सशक्त बनाने, उच्च शिक्षा और कौशल विकास के बीच के रिक्त स्थान को कम करने और छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कौशल से लैस करने की तत्काल आवश्यकता है। स्कूली छात्रों में मूल्यों और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. अमिता चौहान ने कहा कि भारत के इतिहास, विरासत और संस्कृति का अध्ययन वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक है, क्योंकि यह अतीत में प्रासंगिक था, आज भी प्रासंगिक है और भविष्य में भी प्रासंगिक रहेगा। इसलिए, शिक्षकों के रूप में, हमें कल के जिम्मेदार नेताओं को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जो विकसित भारत 2047 में योगदान दे सकें।

पूर्व मिस इंडिया और पूर्व सदस्य सीएबीई (केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड) डॉ. स्वरूप संपत रावल ने छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के एक बेहतरीन माध्यम के रूप में भारत की समृद्ध संस्कृति और कला पर जोर दिया।

सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित सत्रों में एमिटी स्कूलों के लिए विजन 2030 साझा करते हुए एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा की प्रधानाचार्या श्रीमती रेनू सिंह ने कहा कि एमिटी विद्यालयों में, विजन 2030 कोई दूर का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक जीवंत वास्तविकता है।

एसीईओ ने किया एसटीपी प्लांट का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालिका अधिकारी कृष्ण करुणेश ने सेक्टर-54 स्थित एसटीपी प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर निरीक्षण के बाद व्याप्त खामियों को दूर करने के निर्देश मातहत अफसरों को दिए। इस दौरान जल एवं सीवर विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कूड़ा डालने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, एक लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सेक्टर ज्यू के पास सर्विस रोड पर हॉर्टिकल्चर वेस्ट डालते हुए एक ट्रैक्टर- ट्राली को पकड़ लिया। उसे जब्त करते हुए 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दूसरा जुर्माना कुलेसरा के पास हिंडन नदी के किनारे कूड़ा फेंकने पर लगाया गया। इस पर भी 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। ट्रैक्टर - ट्राली के मालिक के द्वारा भुगतान किए जाने पर ही छोड़ा जाएगा। प्राधिकरण के महाप्रबंधक स्वास्थ्य आरके भारती ने कहा है कि कोई भी इधर-उधर कूड़ा डालते हुए पकड़ा गया तो उस पर तगड़ा जुर्माना लगाया जाएगा। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

चुनाव आयोग के खिलाफ सपा महिला सभा का प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर महिला सभा के द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय सेक्टर-19 पर चुनाव आयोग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। साथ ही साथ सिटी मजिस्ट्रेट को महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया। महिला सभा की अध्यक्ष शालिनी खारी ने कहा कि चुनाव आयोग के द्वारा पिछड़ी जातियों के वोट सूची से हटवाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने SIR प्रक्रिया को वापस लेने की मांग की।

आज के कार्यक्रम में शालिनी खारी, विकास यादव, बबलू चौहान, संजय त्यागी, राम सहेली, बबली शर्मा, विमला, बबली, पारुल, रेखा, सोनाली, कमलेश, कृपा शंकर यादव, महकार तंवर, हरपाल सिंह, नितिन, आलोक वर्मा, रंजन, रामवीर यादव, महिपाल, महेश जाटव, इंद्रजीत सिंह, राज यादव, रचना, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जन्मदिन की बधाई

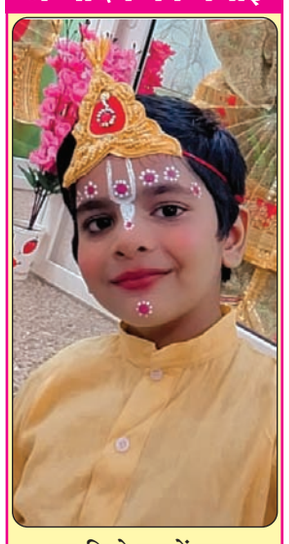

तुम जियो हजारों साल
साल के दिन हो पचास हज़ार

श्री बृजेश चौहान निवासी खोडा के सुपुत्र शिवराज सिंह के 7वें जन्मदिन पर चेतना मंच परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। शिवराज अपने जीवन पथ पर उपलब्धियां हासिल करें यही हमारी कामना है।

चेतना मंच परिवार

श्रीमद् भागवत कथा के बाद कवि सम्मेलन का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। बरोला सेक्टर-49 नोएडा में 'राष्ट्रीय शब्दावली कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया। यह आयोजन विगत सप्ताह से चल रही 'श्रीमद् भागवत कथा' के समापन पर उसी मंच पर किया गया। श्रीमद् भागवत कथा के बाद विशाल भंडारा व तत्पश्चात विभिन्न क्षेत्रों से आए दर्जन भर कवियों ने धार्मिक मंच को साहित्यिक मंच में परिवर्तित कर दिया। दूरदराज से आए कवि व कवित्रियों में मुख्य रूप से मथुरा के जयप्रकाश रावत ने कार्यक्रम अध्यक्ष की भूमिका निभाई तो वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य विभूति कुमार सक्सेना तथा बरेली के कवि व कार्यकारी अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा 'च्यवन' विशिष्ट अतिथि की भूमिका में विद्यमान रहे।

राष्ट्रीय कवि पंचायत मंच के संस्थापक एवं भारत सरकार से सम्मानित कवि पं0 साहित्य कुमार चंचल 'साधक' तथा हनुमंत सेवा धाम के अध्यक्ष चौधरी सुंदर सिंह भाटी के इस संयुक्त आयोजन व संयोजन की शुरुआत गाजियाबाद से पधारी देश की प्रसिद्ध कवित्री पूनम माहेश्वरी के मधुर कंठ से प्रस्तुत की गई सरस्वती वंदना से हुई, जबकि कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन पंडित साहित्य कुमार चंचल 'साधक' तथा नेहा जैन 'नेह' द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। चौधरी सुंदर सिंह भाटी व उनकी समिति द्वारा उपस्थित सभी रचनाकारों का उनके सिर पर साफा / पगड़ी बांधकर तथा अंग वस्त्र पहना कर स्वागत किया गया।

रचनाकारों में पूनम माहेश्वरी, सविता सिंह शमां, सुमित अग्रवाल, शायर हाशिम देहलवी, सतीश दीक्षित, गीता शर्मा, अदिति अस्थाना, दास प्रेम, सत्यार्थ दीक्षित तथा विशेष रूप से दो छात्रा नवोदित कवित्री विभावरी वत्स व खुशी भाटी सहित सभी कवियों की भक्ति, ओज, श्रृंगार, सहित भिन्न-भिन्न रसों व विषयों पर आधारित कविताओं ने वहां उपस्थित सभी श्रोताओं का मन मोह लिया और सभी को बार-बार ताली बजाने के लिए विवश कर दिया। इस मौके पर सैकड़ों श्रोता उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन चौधरी सुंदर सिंह द्वारा किया गया।